डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 15.07.2024 से 21.07.2024 वर्ष-41 अंक-29 मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

विदेश में उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति के लिए 31 जुलाई तक होंगे आवेदन

भोपाल, प्रदेश के सामान्य, अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में स्नातकोत्तर एवं पीएचडी उपाधि के लिए छात्रवृत्ति योजना सत्र 2024-25 (सत्र जुलाई से दिसम्बर 2024) अन्तर्गत आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन 31 जुलाई 2024 तक जमा किये जा सकते हैं। योजनांतर्गत पात्र विद्यार्थी आवेदन की अंतिम तिथि तक कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय, तृतीय तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल में स्वयं अथवा वाहक अथवा डाक द्वारा आवेदन जमा कर सकेंगे। छात्रवृत्ति में आवेदन करने के लिए विद्यार्थी, मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री ने ओलम्पिक खिलाड़ियों से की मुलाकात

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेरिस ओलम्पिक एवं पेरिस पैरा ओलम्पिक में भाग लेने जा रहे भारतीय खिलाड़ियों के दल से भोपाल स्थित समत्व भवन में भेंट की। इसमें तीन खिलाड़ी मध्यप्रदेश के शामिल थे। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को विजयी होने की बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश से पेरिस ओलम्पिक में प्रदेश के 2 खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, शूटिंग और विवेक सागर प्रसाद, पुरुष हॉकी में प्रतिभागिता करेंगे।

गांव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना में आवेदन प्रारंभ

भोपाल, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित गाँव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना अंतर्गत 2023-24 में प्रवेशित छात्राओं के ऑनलाइन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए पोर्टल 2.0 पर सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में समस्त पात्र छात्राएं "गांव की बेटी योजना" एवं "प्रतिभा किरण योजना" के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी।

अब सरकारी स्कूलों में मिलेगा ऑनलाइन कॅरियर मार्गदर्शन

भोपाल, प्रदेश के सरकारी हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिये ऑनलाइन कॅरियर मार्गदर्शन होगा। इसके लिये नोडल शिक्षकों को वेबिनार के माध्यम से प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा की गई है। वर्तमान में विद्यार्थियों में स्किल डेवलपमेंट के लिये यू-रिपोर्ट के माध्यम से लाईव-11 कोर्स का उपयोग प्रदेश के सीएम राइज और पीएम श्री विद्यालयों के विद्यार्थी उपयोग कर रहे हैं।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पर्यावरण चुनौतियों के समाधान का माध्यम बनेगा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान

इंदौर, इंदौर में चल रहे 51 लाख पौधे लगाने के "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने हिस्सा लिया। उन्होंने अटल वन में पौध-रोपण किया। श्री बिरला ने कहा कि जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणामों का सामना कर रहा है ऐसे में यह अभियान पर्यावरण अनुकूलता की दिशा में देश और दुनिया को नया दृष्टिकोण देते हुए नई राह दिखायेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान शुरू किया है। इस अभियान को मध्यप्रदेश में विशेषकर इंदौर में तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। यह अभियान जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। श्री बिरला ने कहा कि पौध-रोपण हमारी संस्कृति, संस्कार एवं अध्यात्म से जुड़ा हुआ है। यह वर्तमान के साथ भविष्य को भी सुखद बनाने का तथा पर्यावरण चुनौतियों के समाधान का माध्यम बनेगा।

भोपाल नगर निगम लगाएगा एक लाख 20 हजार पौधे

महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि भोपाल नगर निगम ने वृहद पौध-रोपण अभियान के अंतर्गत एक लाख 20 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इस अभियान में जनभागीदारी से 26001 पौधे लगाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25वीं बटालियन में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

जल, जंगल, जमीन से जुड़ाव हमें प्रकृति से जोड़ता है और मानवता के मूल गुणों को भी प्रोत्साहित करता है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रुद्राक्ष का पौधा लगाकर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया, पुलिस इकाइयों में एक साथ 1 लाख 25 हजार पौधे रोपे गए

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर आरंभ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान ने पूरे देश में जन-अभियान का स्वरूप ले लिया है। प्रदेश में 5 करोड़ 51 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक चेतना को जगाने की कोशिश है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात भोपाल की 25वीं बटालियन में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पौध-रोपण को अपनी प्राथमिकता में शामिल करना पुलिस की पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि पुलिस जवानों के साथ उनके परिवार भी पौध-रोपण को अपनी जिम्मेदारी मान रहे हैं। मुख्यमंत्री ने नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस की कार्यवाही और संपूर्ण प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में संवेदनशीलता के लिए पुलिस कार्य प्रणाली की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने रोपा रुद्राक्ष का पौधा

मुख्यमंत्री ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया और आकाश में गुब्बारे छोड़कर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसी समय संपूर्ण प्रदेश की पुलिस इकाइयों में एक साथ एक लाख 25 हजार पौधे रोपे गए। इस दौरान मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। मुख्यमंत्री ने परिसर में भ्रमण कर पौध-रोपण के लिए एकत्र हुए पुलिस जवानों और पुलिस परिवारों के सदस्यों से बातचीत की।

मां से जोड़कर अभियान को आत्मीय बनाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल, जंगल, जमीन हमें प्रकृति से जोड़ते हैं और मानवता के मूल गुणों को प्रोत्साहित करते हैं। जंगलों के नष्ट होने और अनियंत्रित प्रदूषण के परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि हुई है जिसकी पूर्ति पौधे लगाने से ही हो सकती है। प्रधानमंत्री ने पौध-रोपण को माँ से जोड़कर अभियान को सभी के लिए आत्मीय और व्यक्तिगत बनाया है। माँ के नाम पर पौधा लगाना भारतीय संस्कृति को नमन है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान के अनुसार सिर्फ पौधा ही नहीं लगाना, अपितु पाँच फीट का होने तक उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी हमें वहन करनी है। पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने कहा कि यह अभियान सभी पुलिस इकाइयों में वृहद पौध-रोपण कर परिजनों को प्रकृति के अधिक निकट लाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेगा। धरती माँ की रक्षा करने के साथ पौधे लगाकर धरती को परिपोषित करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

पुलिस परिवार को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेगा अभियान

पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा राज्य की सभी पुलिस इकाइयों में आयोजित **"एक पेड़ मां के नाम - वृहद पौध-रोपण"** अभियान पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों को प्रकृति के अधिक निकट लाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेगा।

सभी विधानसभाओं में आगामी 4 वर्षों में समग्र विकास के लिए विजन डॉक्यूमेंट करें तैयार

भोपाल, सभी विधानसभाओं में आगामी 4 वर्षों में समग्र विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करें। लक्ष्य प्राप्ति के लिए समय-सीमा और जिम्मेदारियां निर्धारित की जाएं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल तथा नर्मदापुरम संभाग के विधायकों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विजन प्लान विधायक, जिला कलेक्टर, विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्यूमेंट में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार करके क्षेत्र के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर फोकस किया जाए। एक जिला एक उत्पाद योजना से रोजगार के अवसर प्रदान करने को भी शामिल करें। उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा लगभग 2 लाख पदों पर भर्तियाँ की जाएंगी, इस संबंध में युवाओं को जानकारी और प्रशिक्षण देकर आवेदन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए।

सौ करोड़ रुपये राशि के कार्य शामिल कर सकते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्यूमेंट में विधायकगण 100 करोड़ रुपये राशि के कार्य शामिल कर सकते हैं। इसमें 40 करोड़ रुपये विधायक निधि, सांसद निधि, जन-भागीदारी, सीएसआर, रिडेंसीफिकेशन एवं अन्य रिडेवलपमेंट मद से प्राप्त किए जाएंगे। शेष 60 करोड़ रुपये की राशि राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 15 करोड़ रुपये जारी कर उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक विधायक अपनी विधानसभा में कलेक्टर के सहयोग से उद्योगों के लिए भूमि आरक्षित कराएं।

6 जुलाई

रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि

● भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2023-24 में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में एक और उपलब्धि है। यह जानकारी रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष में रक्षा उत्पादन की कुल कीमत 1,26,887 करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में यह 1,08,684 करोड़ रुपये थी। रक्षा उत्पादन के विकास की यह दर 16.8 प्रतिशत है। रक्षा निर्यात ने वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये की बुलंदी हासिल कर ली है। इसमें पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 32.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। पिछले पांच वर्षों (2019-20 से) रक्षा उत्पादन लगातार बढ़ता गया है।

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 23 अगस्त को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन का आयोजन करेगा। इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने हैकाथॉन की घोषणा करते हुए कहा कि इसमें देश के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्र हिस्सा ले सकते हैं। एक टीम में तीन से चार छात्र होंगे जो नवीन समाधानों के साथ चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की सुरक्षित सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ष 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की घोषणा की थी।

● इटली के सिसिली में स्थित दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक माउंट एटना में एक बार फिर ज्वालामुखी विस्फोट हुआ। इससे आसमान में राख फैल गई। कैटेनिया एयरपोर्ट प्रशासन ने एक बयान में कहा कि ज्वालामुखी की राख गिरने की वजह से हवाई अड्डे का रनवे इस्तेमाल करने लायक नहीं है। आगमन और प्रस्थान दोनों ही उड़ानें स्थगित कर दी गई हैं। इटली के राष्ट्रीय भूभौतिकी एवं ज्वालामुखी संस्थान ने बताया कि राख का गुबार 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक आसमान में उठा।

7 जुलाई

तेईस जुलाई को पेश किया जाएगा बजट

● संसद के मानसून सत्र का दूसरा चरण 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 23 जुलाई को बजट भी पेश किया जाएगा। इसे वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण पेश करेंगी। श्रीमती सीतारमण का यह लगातार सातवां बजट होगा और वह ऐसा करने वाली पहली वित्त मंत्री होंगी। सरकार ने इस साल फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण ने अंतरिम बजट में घोषणा की थी कि अगले वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर 11,11,111 करोड़ रुपये किया जा रहा है जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 प्रतिशत होगा। सरकार ने यह भी घोषणा की थी कि युवाओं के लिए पांच वर्ष के ब्याज मुक्त ऋण के साथ एक लाख करोड़ रुपये का कोष स्थापित किया जाएगा। आगामी बजट फरवरी में पेश किए गए अंतरिम बजट का ही विस्तार होगा।

● हमास ने गाजा में स्थायी युद्धविराम की अपनी मांग छोड़ दी है और वह अस्थायी युद्धविराम के बीच इजरायली बंधकों को रिहा करने को तैयार है। हमास के अधिकारियों ने कहा है कि अमेरिका के शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने पर संगठन सहमत है। इस बीच इजरायल के ताजा हमलों में 29 फलस्तीनियों के मारे जाने की सूचना है। इनमें पांच स्थानीय पत्रकार भी शामिल हैं। इन्हें मिलाकर गाजा युद्ध में मरने वाले पत्रकारों की संख्या 158 हो गई है।

● सऊदी अरब ने भारतीय यात्रियों को नए पर्यटक वीजा विकल्पों के साथ आकर्षित करने की कोशिश की है। इससे भारतीय आसानी से सऊदी अरब का वीजा पा सकते हैं और घूम सकते हैं। सऊदी अरब सरकार ने स्टॉपओवर वीजा, ई-वीजा सर्विस और वीजा ऑन अराइवल की सुविधा दी है। सऊदी अरब अपने 'सऊदी विजन 2030' के तहत 2030 तक 75 लाख भारतीय यात्रियों को सऊदी बुलाना चाहता है। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब इस समय भारत को बड़े पर्यटक बाजार के तौर पर देख रहा है।

8 जुलाई

डीआरडीओ ने बनाया शक्तिशाली टैंक 'जोरावर'

● डीआरडीओ और एलएंडटी ने सिर्फ दो वर्ष में स्वदेशी हल्के टैंक 'जोरावर' को विकसित कर दुनिया में नया कीर्तिमान रच दिया है। यह खड़ी पहाड़ी पर आसानी से चढ़ सकता है। जोरावर में 105 मिलीमीटर या उससे अधिक कैलिबर की गन लगी है, जिससे एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल दागी जा सकती हैं। इसमें मॉड्यूलर एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर और एक एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम लगा है, जो इसे हमलों से सुरक्षित रखता है। बेहतर गतिशीलता के लिए इसमें कम से कम 30 एचपी/टन का पावर-टू-वेट रखा गया है। इसके अलावा, इसमें ड्रोन और बैटल मैनेजमेंट सिस्टम भी लगाया गया है। भारतीय सेना ने शुरुआत में केवल 59 जोरावर टैंकों का ऑर्डर दिया है। बाद में 295 अतिरिक्त टैंक खरीदे जाएंगे।

● अब संस्कृत पढ़कर भी छात्र सिविल सेवा परीक्षा दे सकेंगे। केंद्रीय संस्कृत, विश्वविद्यालय में बीए ऑनर्स इन संस्कृत एंड सिविल सर्विस स्टडीज (बीए-एससीएस) प्रारंभ किया गया है। इसमें 55 सीटों पर प्रवेश ऑनलाइन टेस्ट के जरिए दिया जाएगा। इसमें विज्ञान, गणित, अंग्रेजी के छात्र-छात्राएं भी प्रवेश के योग्य हैं। सत्र 2024-25 में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं की प्रवेश परीक्षा के अंक के आधार पर फीस में 50 फीसदी तक की छूट मिलेगी।

● बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष क्षेत्र के स्टार्टअप 'पिक्सल' ने एक ऐसा ऑनलाइन सॉफ्टवेयर बनाने की योजना बनाई है जिससे आप उसके उपग्रहों द्वारा पृथ्वी की खींची गई तस्वीरों को घर बैठे देख सकते हैं। यह अंतरिक्ष आधारित डाटा को बहुत ही कम शुल्क पर आम आदमी तक उपलब्ध कराने के प्रयासों का हिस्सा है। ये ऑनलाइन सर्विस इस वर्ष के अंत तक शुरू हो जाएगी। उपयोगकर्ता डाटाबेस में पहले से उपलब्ध उपग्रह से ली गई तस्वीरों को देख सकते हैं या पृथ्वी की निचली कक्षा में चक्कर लगा रहे पिक्सल के उपग्रहों को कोई विशेष तस्वीर खींचने का जिम्मा दे सकते हैं।

9 जुलाई

भारत में बनी डेंगू से बचाव की स्वदेशी वैक्सीन

● डेंगू से बचाव के लिए स्वदेशी टीका तैयार हो गया है। इस टीके को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की निगरानी में विकसित किया गया है। यह टीका दवा कंपनी पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड ने बनाया है। पशुओं पर इस टीके के परीक्षण की सफलता के बाद इंसान पर इसके ट्रायल की अनुमति ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से मिल चुकी है। इस टीके का एक ही डोज डेंगू से बचाव के लिए पर्याप्त होगा।

● रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के अस्पताल समेत पूरे यूक्रेन में हवाई हमले किए। इन मिसाइल हमलों में कम से कम 36 नागरिकों की जान गई है और 100 से अधिक घायल हुए हैं। बच्चों का मुख्य अस्पताल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इस अस्पताल में कई बच्चे मलबे के नीचे दबे हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने किंजल हाइपरसोनिक समेत विभिन्न प्रकार की 40 से अधिक मिसाइलों से पांच क्षेत्रों को निशाना बनाया। वहीं यूक्रेनी वायुसेना ने 30 रूसी मिसाइलों को नष्ट करने का दावा किया है।

10 जुलाई

आईआईटी जोधपुर में हिंदी में बी.टेक. कर सकेंगे छात्र

● आईआईटी जोधपुर में अब अंग्रेजी के साथ ही हिंदी मीडियम में भी बी.टेक. किया जा सकेगा। हिंदी मीडियम बी.टेक. में प्रवेश जेईई एडवांस्ड के अंकों के आधार पर किया जाएगा। प्रथम वर्ष के छात्रों को कक्षाएं शुरू होने से पहले हिंदी और अंग्रेजी में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। बी.टेक. प्रथम वर्ष के छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी में पढ़ाई के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर दो सेक्शन में चुना जाएगा। छात्रों के पास सत्र के दौरान सेक्शनों के बीच अदला-बदली करने का विकल्प भी होगा। प्रथम वर्ष में अंग्रेजी और हिंदी दोनों के छात्रों को एक ही शिक्षक पढ़ाएंगे। इसके अलावा दोनों माध्यमों के लिए छात्रों का समान स्तर पर मूल्यांकन किया जाएगा।

● इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर अवैध रूप से खोदी गई एक सोने की खदान ढह जाने से 11 लोगों की मृत्यु हो गई। इंडोनेशियाई सरकार के अनुसार पर्वतीय गांव बोन बोलांगो में 100 से अधिक ग्रामीण खदान से सोना निकाल रहे थे, इस दौरान भूस्खलन के कारण पहाड़ का सैकड़ों टन मलबा खदान में गिर गया।

11 जुलाई

डेंगू की रोकथाम के लिए बनाई जाएगी विशेष हेल्पलाइन

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने देशभर में डेंगू की स्थिति और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। समीक्षा बैठक के दौरान श्री नड्डा ने 24 घंटे चलने वाली एक विशेष केन्द्रीय हेल्पलाइन बनाने के निर्देश दिए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पिछले सालों के डेंगू के मरीजों के आंकड़ों को देखते हुए सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में ज्यादा ध्यान केंद्रित करने को भी कहा। इसके साथ ही उन्होंने एम्स समेत सभी केंद्रीय अस्पतालों में डेंगू के मरीजों के लिए विशेष वार्ड बनाने और उसमें प्रशिक्षित डाक्टर, कर्मचारी, जरूरी उपकरण तथा दवाएं उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

● रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए भारतीय लोगों के परिवार वालों को रूसी सेना 1.3 करोड़ रुपए का मुआवजा देगी। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार रूस में मारे गए एक भारतीय परिवार को रूस की नागरिकता देने का भी फैसला किया, जिसे मृतक भारतीय परिवार ने स्वीकार भी कर लिया है। उल्लेखनीय है कि गुजरात के हिमल मांगूकिया और हैदराबाद के मोहम्मद अशफान समेत चार भारतीयों की मौत हो चुकी है।

● गंगा की सफाई में निरंतरता के लिए केंद्र सरकार 25 और शहरी स्थानीय निकायों के लिए नदी प्रबंधन योजना तैयार करने में मदद करेगी। इस योजना का उद्देश्य नदी तट पर बसे शहरों को इस ढंग से तैयार करना है कि वे नदियों के प्रबंधन के लिए भी प्रयत्नशील रहें। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक राजीव मित्तल के अनुसार जिन 25 और शहरों को अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान के लिए चुना गया है, उनमें उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच-पांच शहर शामिल हैं। अर्बन रिवर मैनेजमेंट की सहायता से गंगा और उसकी सहायक नदियों की साफ-सफाई के लिए स्थायी और टिकाऊ ढांचा बनाने में मदद मिलेगी।

12 जुलाई

उत्तराखंड में भूस्खलन से चारधाम यात्रा मार्ग बंद

● उत्तराखंड के चमोली जिले में भूस्खलन होने के कारण बद्रीनाथ राजमार्ग पर जोगीधारा और पातालगंगा लंगासी के पास यातायात अवरुद्ध हो गया है। जोशीमठ में अवरुद्ध मार्ग को अभी तक नहीं खोला जा सका है, जबकि पातालगंगा में राजमार्ग पर भारी मात्रा में मलबा तथा बोल्डर गिरे हैं। इस राजमार्ग पर 1500 से अधिक तीर्थयात्री फंसे हुए हैं और मार्ग खुलने के इंतजार में हैं। चमोली पुलिस ने लोगों से सड़क अवरुद्ध होने के कारण धैर्य रखने का आग्रह किया है।

● दूरसंचार के क्षेत्र में भारत अब आत्मनिर्भर बन रहा है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना की मदद से देश में तीन वर्षों में दूरसंचार उपकरणों की विनिर्माण बिक्री 50,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर के पार पहुंच गई है। इस बिक्री में करीब 10,500 करोड़ रुपये का निर्यात भी शामिल है। पीएलआई योजना की मदद से दूरसंचार क्षेत्र ने तीन वर्षों की इस अवधि में 3,400 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के
शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा,
छतरपुर एवं पिपरिया में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की ख़बरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अहेटा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 41, अंक 29 15.07.2024 से 21.07.2024

रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - संदीप यादव
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

किसानों को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने सिंचाई का रकबा दोगुना करने का लक्ष्य

प्रदेश के किसानों को खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिये मध्यप्रदेश में समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार, प्रदेश की समृद्धि के लिये किसानों को समृद्ध करने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है, क्योंकि जब किसान समृद्ध होगा, तभी गांव समृद्ध होगा और गांव समृद्ध होगा तो प्रदेश समृद्ध होगा। प्रदेश की समृद्धि में ही देश की समृद्धि है। प्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिये योजनाबद्ध स्वरूप में कार्य किया जा रहा है। इसके लिए किसानों को सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों को उपज की ग्रेडिंग, सॉर्टिंग और मार्केटिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराने को सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सिंचाई की सुविधा के निरंतर विस्तार के साथ ही जल के अधिकतम उपयोग की व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार उल्लेखनीय कार्य कर रही है। प्रदेश में अगले 5 वर्षों में सिंचाई का रकबा दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं एवं नए कार्यों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। इससे प्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। प्रदेश में वर्ष 2003 में सिंचाई की स्थिति बहुत खराब थी। वर्तमान में प्रदेश की सिंचाई क्षमता लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गई है। वर्ष 2025-26 तक 65 लाख हेक्टेयर एवं वर्ष 2028-29 तक एक करोड़ हेक्टेयर सिंचाई का रकबा किए जाने का लक्ष्य है। "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" के उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश में 133 वृहद एवं मध्यम प्रेशराइज्ड सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आधारित परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर लगभग 48 लाख हेक्टर सिंचाई क्षमता संवर्धित होगी। इसी प्रणाली का उपयोग कर प्रदेश पूर्व निर्मित सिंचाई परियोजनाओं के जल से अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्र विकसित करने की दिशा में अग्रसर है। केन-बेतवा लिंक परियोजना जिसकी अनुमानित लागत रुपये 44 हजार 605 करोड़ है। यह बुंदेलखंड क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वरदान है। परियोजना के पूर्ण होने पर प्रदेश के 10 जिलों के एक हजार 900 ग्रामों में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई सुविधा के साथ 41 लाख की आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त इस परियोजना से 130 मेगावॉट विद्युत उत्पादन भी होगा।

पिछले दिनों मध्यप्रदेश और राजस्थान के साथ हुए समझौते में पार्वती-कालीसिंध-चंबल अंतर्राज्यीय नदी लिंक परियोजना के निर्माण संबंधी सैद्धांतिक सहमति हुई है। इस परियोजना से प्रदेश के 10 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर नवीन सिंचाई क्षमता संवर्धित होगी तथा पेयजल एवं उद्योग के लिए भी जल उपलब्ध होगा। नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण के द्वारा मध्यप्रदेश को आवंटित 18.25 एमएएफ नर्मदा जल का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सिंचाई परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से किया जा रहा है। नर्मदा घाटी की समस्त सिंचाई परियोजनाओं के पूर्ण होने पर लगभग 28 लाख 41 हजार 111 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए वर्ष 2024-25 में रुपये 13 हजार 596 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग के इस बजट में सिंचाई के लिए किए गए प्रमुख प्रावधानों में बांध तथा संलग्न कार्य के लिए 2860 करोड़, नहर तथा उनसे संबंधित निर्माण कार्य के लिए 1197 करोड़, कार्यपालिक स्थापना के लिए 1071 करोड़, लघु एवं लघुतम सिंचाई योजनाओं के लिए 631 करोड़, सिंचाई एवं पेयजल योजनाओं का सौर ऊर्जीकरण के लिए 200 करोड़, केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के लिए 200 करोड़, बांध एवं नहरों के लिए 116 करोड़ तथा नहरें एवं तालाबों के लिए 110 करोड रुपये का प्रावधान शामिल है।

जलवायु परिवर्तन : दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी ने तीन गुना अधिक तापमान का किया सामना

जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया पर दिखाई दे रहा है। कहीं अधिक तापमान तो कहीं अधिक बारिश से लोग परेशान हैं। इस वर्ष तापमान ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। एक तरफ जहां भारत में 50 डिग्री के पार तापमान दर्ज किया गया वहीं यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सीसीसीएस) के अनुसार पांच महाद्वीपों में लाखों लोगों को चिलचिलाती धूप और असहनीय तापमान का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस यूरोपियन यूनियन के अर्थ ऑब्जरवेशन प्रोग्राम का हिस्सा है। जनवरी 2024 के दौरान सतह के पास हवा का औसत वैश्विक तापमान 13.14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था जो वर्ष 1991 से 2020 के बीच दर्ज औसत तापमान से करीब 0.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। सीसीसीएस के सदस्यों के अनुसार वर्ष 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते के तहत वैश्विक औसत तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य रखा गया था और कहा गया था कि इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस पार नहीं होने दिया जाएगा। लेकिन अब बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और वैश्विक तापमान से यह लक्ष्य पार होता दिखाई दे रहा है। इसी का परिणाम है कि पिछले माह जून में कई देशों ने रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, विनाशकारी बाढ़ और तूफान का सामना किया है। क्लाइमेट सेंट्रल के विश्लेषण के अनुसार दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ने 16 से 24 जून के दौरान अत्यधिक तापमान का सामना किया जो जलवायु परिवर्तन के कारण कम से कम तीन गुना अधिक था।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

पहली बार मध्यप्रदेश का बजट 3 लाख 65 हजार 67 करोड़

कोई नया कर नहीं, कोई योजना बंद नहीं, गांव, गरीब, किसान, युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता

मध्यप्रदेश सरकार का नया बजट कई मायनों में ऐतिहासिक है। पहली बार बजट का आकार 3 लाख 65 हजार करोड़ के पार पहुंचा है। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सरकार ने कोई नया टैक्स नहीं लगाया, किसी पुराने टैक्स में वृद्धि भी नहीं की और न किसी वस्तु के पुराने मूल्य में वृद्धि की। सभी पुरानी योजनाएं भी यथावत रहेंगी। यह बजट जितना जनोपयोगी है उतना ही प्रदेश में विकास की गति तेज करने वाला है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने अपनी सरकार का पहला पूर्ण बजट पेश किया। बजट में बिना कोई नया टैक्स लगाये पिछले बजट की तुलना में लगभग सोलह प्रतिशत की वृद्धि वाकई ऐतिहासिक है। यह बजट 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपये का है। सरकार ने सभी क्षेत्रों का ध्यान रखा है, लेकिन गांव, गरीब, किसान, महिला, शिक्षा और युवाओं के रोज़गार पर विशेष ध्यान दिया है। इसके साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी जोर दिया है। जो योजनाएं यथावत रखी गई हैं उनमें बहुचर्चित 'लाड़ली-बहना' योजना है। इस योजना पर अलग से राशि का प्रावधान किया है। इस बजट में मध्यप्रदेश की दूरगामी विकास यात्रा की झलक है। इसीलिये आगामी पांच वर्षों में बजट राशि को दोगनी करने का संकल्प भी व्यक्त किया गया है। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 में होगा, इसके लिये सरकार अभी से सजग हो गई है। इस मद पर 500 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। उज्जैन आने वाले सभी मार्ग फोर और आठ लेन के होंगे। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने सरकार को होने वाली आय का भी विवरण दिया है।

मध्यप्रदेश सरकार ने अपने बजट में राजस्व में वृद्धि पर बहुत जोर दिया है। इसके साथ वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने पूंजीगत निवेश भी अपनी प्राथमिकता में रखा है।

पहली दृष्टि में वित्त मंत्री श्री देवड़ा द्वारा प्रस्तुत किये गये इस बजट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये गये दोनों सूत्र हैं। पहला 'आत्मनिर्भर भारत' और दूसरा 'ज्ञान का सम्मान'। भारत की आत्मनिर्भरता के लिये राज्यों का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। मध्यप्रदेश के इस बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया गया है और पूंजी निवेश पर भी। ये दोनों बिंदु आत्मनिर्भरता के लिये आवश्यक हैं। 'लोकल फॉर वोकल' की दृष्टि से मध्यप्रदेश सरकार ने अपने प्रत्येक जिले के किसी विशिष्ट उत्पाद को बढ़ावा देने की घोषणा की है। यदि निजी क्षेत्र की कंपनियां अथवा किसान रुचि लेते हैं तो मध्यप्रदेश सरकार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने का प्रयत्न करेगी।

दूसरा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'ज्ञान का सम्मान' में गांव, गरीब, महिला, युवा और नारी हैं। मध्यप्रदेश सरकार के इस बजट में इन वर्ग समूहों के कल्याण के लिये भी प्राथमिकता है। यह बजट प्रदेश के गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास व सिंचाई और औद्योगिक विकास तथा बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित है। वित्त मंत्री ने इसे 'जनता का बजट, जनता के लिये' बताया। मध्यप्रदेश सरकार ने अपने बजट प्रावधान तैयार करने से पहले जन सामान्य से सुझाव लिये थे। उन सुझावों की झलक मध्यप्रदेश के इस बजट में है। जन सामान्य के सुझावों के आधार पर ही विभिन्न योजनाओं को व्यवहारिक बनाया गया है। यह राज्य सरकार की विकास योजनाओं का ही परिणाम है कि मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। मध्यप्रदेश में अब प्रति व्यक्ति आय एक लाख 42 हजार 565 रुपये हो गई है।

मध्यप्रदेश सरकार की प्रथमिकता

मध्यप्रदेश सरकार ने अपने बजट में गांव, गरीब और किसानों के कल्याण पर बहुत जोर दिया है। इसके लिये मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना पर 4,900 करोड़, पशुपालकों एवं गौसंवर्धन के विकास एवं संरक्षण के लिए 590 करोड़ का प्रावधान किया गया है। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए 600 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान है जो गांव और किसान की आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान करेंगे। मध्यप्रदेश की अधिकतर आबादी कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। यदि कृषि आधारित कार्यों और कृषि आधारित उत्पाद की वृद्धि होगी तो मध्यप्रदेश आर्थिक विकास की नई ऊंचाइयां छुएगा। इन आधारभूत कार्यों के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने अपने बजट में पूंजी निवेश एवं यातायात के साधन सुगम बनाने पर भी जोर दिया है। इस मद पर बजट में नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस-वे, अटल प्रोग्रेस-वे तथा मालवा निमाड़ विकास पथ के लिये भी अधिक राशि का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने इंदौर-भोपाल मेट्रो के लिए बजट प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' की भांति मध्यप्रदेश सरकार का प्रयत्न होगा कि मध्यप्रदेश की न्यूनतम आवश्यकता की पूर्ति मध्यप्रदेश में निर्मित उत्पादों से ही हो। इसके लिये कौशल विकास के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रावधान किए गए हैं। इसके साथ ही पीएम ई-बस योजना के तहत छह शहरों में 552 ई-बसें चलाई जाएंगी। सीएम राइज़ स्कूल के लिए भी 667 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जनजाति विकास के लिए 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। युवाओं में खेल गतिविधि को बढ़ाने की दृष्टि से भोपाल के नाथू बरखेड़ा में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण करवाया जाएगा। खेलों के लिए 586 करोड़ रुपये का प्रावधान और आकांक्षा योजना के लिए भी 10 करोड़ 42 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है।

बजट के कुछ विशिष्ट प्रावधान

बजट में गृह विभाग के लिए 11 हजार 292 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसमें पुलिस विभाग के लिये आवास निर्माण पर 367 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही पुलिस विभाग में 7,500 नई भर्तियां की जायेंगी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए बजट में 50 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सरकारी कर्मचारियों की भविष्यनिधि भुगतान की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। प्रदेश के निवासियों को चिकित्सा सुविधा बढ़ाने की दृष्टि से मंदसौर, नीमच और सिवनी में तीन नये मेडिकल कॉलेज खोले जायेंगे और शहडोल, बालाघाट, सागर, नर्मदापुरम और मुरैना में नये आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोले जाएंगे। बजट में स्वास्थ्य विभाग के लिए 21 हजार 444 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान और 22 नए आईटीआई खोलने की घोषणा भी की गई है।

बजट में मुख्य योजनाओं के लिए प्रावधान

- मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 हेतु रुपये 18984 करोड़ का प्रावधान
- सरकारी शालाओं की स्थापना हेतु रुपये 15 हजार 509 करोड़ का प्रावधान
- माध्यमिक शालाओं हेतु रुपये 9 हजार 258 करोड़ का प्रावधान
- अटल कृषि ज्योति योजना हेतु रुपये 6290 करोड़ का प्रावधान
- 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार स्थानीय निकायों को अनुदान हेतु 5965 करोड़ का प्रावधान
- समग्र शिक्षा अभियान हेतु रुपये 5100 करोड़ का प्रावधान
- अंशदायी पेंशन योजना हेतु रुपये 5 हजार करोड़ का प्रावधान
- म.प्र.वि.म. द्वारा 5 एच.पी. के कृषि पम्पों/थ्रेशरों तथा एकबत्ती कनेक्शन को निःशुल्क विद्युत प्रदाय की प्रतिपूर्ति हेतु रुपये 4 हजार 775 करोड़ का प्रावधान
- शासकीय/हाई/हायर सेकंडरी शालाओं हेतु रुपये 4 हजार 567 करोड़ का प्रावधान
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हेतु 4 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु रुपये 4 हजार करोड़ का प्रावधान
- प्रवेश कर से नगरीय निकायों को हस्तांतरण हेतु 3 हजार 600 करोड़ का प्रावधान
- अटल गृह ज्योति योजना हेतु रुपये 3 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना हेतु 3 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- आंगनवाड़ी सेवाएं (सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0) हेतु रुपये 3 हजार 469 करोड़ का प्रावधान
- बांध तथा संलग्न कार्य हेतु 2 हजार 860 करोड़ का प्रावधान
- चिकित्सा महाविद्यालय तथा संबद्ध चिकित्सालय हेतु रुपये 2 हजार 452 करोड़ का प्रावधान
- सामाजिक सुरक्षा और कल्याण हेतु रुपये 2400 करोड़ का प्रावधान
- कला, विज्ञान तथा वाणिज्य महाविद्यालय हेतु रुपये 2 हजार 390 करोड़ का प्रावधान
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु रुपये 2 हजार 1 करोड़ का प्रावधान
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेतु रुपये 1 हजार 788 करोड़ का प्रावधान
- जिला/सिविल अस्पताल एवं औषधालय हेतु रुपये 1 हजार 680 करोड़ का प्रावधान
- ग्रामीण सड़कों एवं अन्य जिला मार्गों का निर्माण/उन्नयन हेतु 1 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- जिला माइनिंग फंड हेतु 1 गडाक 300 करोड़ का प्रावधान
- लाड़ली लक्ष्मी योजना हेतु 1 हजार 231 करोड़ का प्रावधान
- आपदा प्रबंधन योजनाओं को बनाये जाने हेतु रुपये 1 हजार 193 करोड़ का प्रावधान

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4595/53/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 2 जुलाई, 2024

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2022

चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक कृषि यंत्री

आयोग के विज्ञापन **क्रमांक 13/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में अद्यतन पदों के विवरण हेतु जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 02/13/2022 दिनांक 21.11.2023 के बिन्दु क्रमांक 02 में वर्णित तालिका अनुसार म.प्र. शासन, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अंतर्गत पदनाम - **सहायक कृषि यंत्री** के कुल 17 पद (अनारक्षित-06, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-03, अ.पि. वर्ग-04, ई.डब्ल्यू.एस.-01) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-02, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग-01 पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए आयोग द्वारा, **राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2022 दिनांक 08.10.2023** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 25.11.2023 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों के साक्षात्कार दिनांक 18.06.2024 एवं 19.06.2024 को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग से प्राप्त रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 02/13/2022 दिनांक 21.11.2023 के बिन्दु क्रमांक 03 एवं 04 में वर्णित तालिका अनुसार उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 13/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित कुल पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पदविभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 21.11.2023 में उल्लेखित टीप के परिप्रेक्ष्य में प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात घोषित किया जाएगा।

3. राज्य शासन के उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के संदर्भ में आयोग द्वारा घोषित उक्त लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 25.11.2023 के पैरा 04 के बिन्दु क्रमांक 02 में उल्लेखित बिन्दु के परिपालन में साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए अभिवचन पत्र के अनुसार मुख्य भाग-87 प्रतिशत एवं प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।

4. अतएव, लिखित परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

सहायक कृषि यंत्री

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	6	3	3	2	1	15
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	2	1	1	1	0	
कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद			1			

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	100450	DHANKAJ SINGH	M	UNR	OBC
2.	100989	VISHNU SANODIYA	M	UNR	OBC
3.	100543	BHAGWAN SINGH NARWARIYA	M	UNR	OBC
4.	100397	VIJAY MEENA	M	OBC	OBC
5.	101286	SANJANA JAIN	F	UNRF	UNR
6.	101184	KRITI PANDEY	F	UNRF	EWS
7.	101279	ABHISHEK AGRAWAL	M	EWS	EWS
8.	101051	SHAHLA NAAZ QURAISHI	F	OBCF	OBC
9.	100828	PREETI CHOUDHARY	F	SCF	SC
10.	100938	YOGENDRA SINGH CHOUDHARY	M	SC	SC
11.	100312	NIDHI MANIK	F	STF	ST
12.	101181	SUPRIYA AHIRWAR	F	SC	SC
13.	101245	AKHILESH SOLANKI	M	ST	ST
14.	101197	PAMESH BHAGAT	M	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1.	101156	DEEPOO MEENA	M		OBC
2.	101198	AMAN AGRAWAL	M		UNR
3.	100214	VISHAL CHOUDHARY	M		OBC
4.	101133	RESHAM CHAWLA	F		UNR
5.	100257	SHIVPAL SINGH PANWAR	M		EWS
6.	100813	AKANKSHA SHUKLA	F		EWS
7.	100772	NEELAM SAHU	F		OBC
8.	100328	AJAY VERMA	M	प्रावधिक	SC
9.	100311	ROSHANI BHALEKAR	F		SC
10.	101053	DEEPAK KUMAR MESHRAM	M		SC
11.	101123	SWATI SINGH MARAVI	F		ST

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 47178/54/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 3 जुलाई, 2024

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2022

चयन-सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक यंत्री (वि.सु.) एवं सहायक विद्युत निरीक्षक

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **13/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में अद्यतन पदों के विवरण हेतु जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 02/13/2022 दिनांक 21.11.2023 के बिन्दु क्रमांक 02 में वर्णित तालिका अनुसार म.प्र. शासन, ऊर्जा विभाग के अंतर्गत पदनाम - **सहायक यंत्री (वि.सु.) एवं सहायक विद्युत निरीक्षक** के कुल 01 पद विज्ञापित किया गया है। उक्त पद की पूर्ति के लिए आयोग द्वारा **राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2022** दिनांक 08.10.2023 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 25.11.2023 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों के साक्षात्कार दिनांक 05.06.2024 को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, ऊर्जा विभाग से प्राप्त रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 02/13/2022 दिनांक 21.11.2023 के बिन्दु क्रमांक 03 एवं 04 में वर्णित तालिका अनुसार उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 13/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित कुल पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पद अंतर्गत कुल 01 पद (अनारक्षित) ही विज्ञापित होने के परिणामस्वरूप इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएवं चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या निरंक होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या भी निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

सहायक यंत्री (वि.सु.) एवं सहायक विद्युत निरीक्षक

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	1	0	0	0	0	1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	100085	AMAN PATHAK	M	UNR	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	100146	PRASHAST SINGH PARIHAR	M	UNR

टीप :–

चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव

जी-13071/49809/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

12.	100656	SUDARSHAN SHAH	M	ST
13.	100327	SANJAY KUMAR SAKOM	M	ST

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दिशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।

3. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/2023, मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019, याचिका क्रमांक 25181/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसी प्रकार ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता विज्ञापन के परिशिष्ट-एक में वर्णित कंडिका तीन में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

4. कुल विज्ञापित पदों में से शुद्धिपत्र दिनांक 21.11.2023 में उल्लेखित मुख्य भाग - 87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित कुल 15 पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग श्रेणी हेतु आरक्षित 01 पद के लिए इस श्रेणी के योग्य दिव्यांग अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण 01 पद रिक्त रहा है। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों में से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः 01 पद दिव्यांगजन के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखा गया है।

5. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव

जी-13065/49808/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

कार्यालय, प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स भोपाल

E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

क्र./प्रशि/न.स-36/2024/121 भोपाल, दिनांक : 04.07.2024

विज्ञप्ति

राज्य सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने की संभावना वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए मुख्य परीक्षा के प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने की संभावना वाले मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र श्यामला हिल्स भोपाल में निम्न शर्तों के अधीन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

1. आवेदक म.प्र. राज्य का अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य हो।
2. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रुपये 6.00 लाख से अधिक न हो।
3. आवेदक को म.प्र. राज्य सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने की संभावना हो। अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए लगभग 140 अंक व अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 134 अंक आने की संभावना वाले अभ्यर्थी इस प्रशिक्षण हेतु पात्र होंगे।
4. केन्द्र में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष व अधिकतम 35 वर्ष है।
5. आवेदक ने स्नातक परीक्षा न्यूनतम 55 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण की हो।
6. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
7. पी.एस.सी. 2024 की मुख्य परीक्षा प्रशिक्षण की कुल अवधि पी.एस.सी. 2024 मुख्य परीक्षा होने तक अथवा 06 माह जो भी कम हो तक होगी। पी.एस.सी. 2024 की प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम आने के बाद असफल अभ्यर्थियों को नियमित प्रवेश निरस्त कर दिया जावेगा, लेकिन सफल अभ्यर्थियों के साथ प्रशिक्षण में अध्ययन की अनुमति होगी।
8. आवेदक ने अनुसूचित जाति विकास के अंतर्गत संचालित किसी भी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो।
9. पी.एस.सी. 2024 का प्रशिक्षण केन्द्र में संचालित है।

उपरोक्तानुसार पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक अभिलेखों की छायाप्रतियों के साथ **दिनांक 16 जुलाई 2024 तक** संस्थान के **E-mail : petcsc.bpl@gmail.com** अथवा डाक से या व्यक्तिगत रूप से परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में सम्पर्क कर सकते हैं, अधिक जानकारी के लिये परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 पर सम्पर्क कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्राचार्य

जी-13057/49807/2024 परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल (म.प्र.)

कार्यालय मुख्य अभियंता
जल संसाधन विभाग, नर्मदापुरम (म.प्र.)

फोन नं. - 07574-250424, फैक्स नं. - 07574-250414, ईमेल - ceomwrd@rediffmail.com

विज्ञप्ति

विशेष भर्ती अभियान के तहत सहायक वर्ग-3 (दिव्यांगजन) पद की भर्ती हेतु विज्ञापन

संशोधन क्रमांक-1

स.क्र.	विज्ञप्ति पदनाम	आवेदन फार्म जमा करने की परिवर्तित दिनांक	वॉक-इन-इंटरव्यू की परिवर्तित दिनांक
1.	सहायक वर्ग-3	**25.07.2024** तक	07.08.2024

शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

मुख्य अभियंता

जी-13095/49810/2024 जल संसाधन विभाग, नर्मदापुरम

कार्यालय मुख्य अभियंता, बोधी
जल संसाधन विभाग, स्वारा भवन लिंक रोड नं-3, कोलार परिसर भोपाल

cebodhiwrd@gmail.com, फोन - 0755-2424038

विशेष अभियान के तहत दिव्यांग जन सहायक ग्रेड-3 की भर्ती हेतु संशोधित विज्ञापन

संशोधन क्रमांक-03

इस कार्यालय द्वारा दिनांक 14.06.2024 को विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन श्रेणी के सहायक वर्ग-3 के रिक्त पदों के लिए जारी विज्ञापन में कुल रिक्त पद 5 रखे गये थे जिसमें संशोधन करते हुए कुल रिक्त पद-4 किया जाता है जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

स. क्र.	पद नाम	कुल रिक्त पद	दृष्टिबाधित एवं कम दृष्टिबाधित हेतु स्वीकृत VH	बहरे एवं कम सुनने वाले हेतु स्वीकृत पद EH	अस्थि-बाधित LD	आटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता स्पेसिफिक लर्निंग एवं मानसिक बीमारी MD	निर्धारित योग्यता	वेतनमान	वाक-इन-इन्टरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
1.	सहायक श्रेणी-3	04	01	01	01	01	1. हायर सेकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्था से न्यूनतम एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण। 2. म.प्र. शासन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (सी. पी.सी.टी.) स्कोर कार्ड अभ्यर्थी को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक एवं हिन्दी टंकण उत्तीर्ण होना अनिवार्य।	5200-20200+ ग्रेड पे 1900 (सातवें वेतनमान के मेट्रिक लेवल-4) समय-समय पर देय अन्य भत्ते	दिनांक **5.8.2024** प्रातः 11.00 बजे से इन्टरव्यू समाप्ति तक।

टीप - अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

मुख्य अभियंता, बोधी

जी-13248/49813/2024 जल संसाधन विभाग, भोपाल

कार्यालय मुख्य अभियंता
जल संसाधन विभाग, नर्मदापुरम (म.प्र.)

फोन नं. - 07574-250424, फैक्स नं. - 07574-250414, ईमेल - ceomwrd@rediffmail.com

विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांजगन सहायक वर्ग-3 के पद की भर्ती हेतु शुद्धि पत्र

इस कार्यालय का पत्र क्रमांक 13/स्था./मु.अ./ज.स.वि/नि:/2024/499 नर्मदापुरम 20.06.2024 एवं पत्र क्रमांक 13/स्था./मु.अ./ज.स.वि/नि:/2024/521 नर्मदापुरम 04.07.2024 द्वारा विशेष भर्ती अभियान अंतर्गत दिव्यांगजन श्रेणी सहायक वर्ग-3 के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु निम्नानुसार पदों में परिवर्तन किया जाता है :–

स. क्र.	विज्ञप्ति पदनाम	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित रिक्तियां		दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित परिवर्तित रिक्तियां
1.	सहायक वर्ग-3	VH	2	1
		EH	2	1
		LD	1	1
		MD	1	1
		Total	**06**	**04**

टीप :– शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

मुख्य अभियंता

जी-13320/49816/2024 जल संसाधन विभाग, नर्मदापुरम

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र सागर (म.प्र.)

Email - cepwdsagar@mp.nic.in, Fax - 07582-220841

ज्ञाप क्र. 1502/स्था/नि:शक्तजन/2024-25 सागर, दिनांक : 8.07.2024

संशोधन

विज्ञप्ति क्र. 1286/स्था/भर्ती नि:शक्तजन/2024 दिनांक 7.6.2024 में वॉक इन इन्टरव्यू की तिथि 12.7.2024 के स्थान पर दिनांक 16.7.2024 समय 11.00 बजे संशोधित की जाती है। पात्र एवं अपात्र आवेदकों की सूची विभाग की वेबसाइट **www.mppwd.gov.in** पर अपलोड की जा रही है।

मुख्य अभियंता

जी-13324/49817/2024 लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

कार्यालय प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, पचोर
जिला-राजगढ़ (ब्यावरा) मध्यप्रदेश

Email Id - polypachor@gmail.com

क्रमांक/शापामप/स्था/2024/581 पचोर, दिनांक : 8.07.2024

विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

कार्यालय आयुक्त, तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश के पत्र क्रमांक/स्था/3/डी/2024/741 भोपाल, दिनांक 10.06.2024 के निर्देशानुसार इस संस्था हेतु निःशक्तजन के लिये चिन्हांकित निम्नलिखित रिक्त पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से किये जाने के लिए निर्धारित योग्यता एवं शैक्षणिक अर्हता रखने वाले मध्यप्रदेश के मूल निवासी एवं रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीकृत दिव्यांगजन आवेदकों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन-पत्र एवं मूल दस्तावेज के साथ **दिनांक 22.07.2024 को प्रातः 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक** स्वयं उपस्थित होवें। पदों का विवरण एवं शैक्षणिक योग्यता निम्नानुसार है :–

स. क्र.	विज्ञापित पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	श्रेणी	अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता
1.	प्रयोगशाला परिचारक (चतुर्थ श्रेणी)	15500-49000	01	दृष्टिबाधित और कम दृष्टिबाधित	कक्षा 10वीं साइंस विषय के साथ उत्तीर्ण

आवश्यक शर्तें :–

1. आवेदक मध्यप्रदेश का मूलनिवासी होना चाहिये।
2. आवेदक का रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
3. अन्य शासकीय विभाग में कार्यरत शासकीय कर्मचारी द्वारा उसके नियुक्ति अधिकारी का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. आवेदक द्वारा समस्त प्रमाण-पत्रों की स्व-प्रमाणित/सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित छायाप्रतियों के 02 सेट साक्षात्कार के समय अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। प्रमाण-पत्रों के अभवा में आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया डिजीटल जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. पासपोर्ट आकार के 02 नवीनतम रंगीन फोटो अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे।
6. सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक सी 3-11/12/1/3 भोपाल दिनांक 03 नवम्बर 2012 के अनुसार दिनांक 01.01.2024 की स्थिति में आवेदक की आयु अधिकतम 40 वर्ष एवं न्यूनतम 18 वर्ष होना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार 05 वर्ष की छूट का प्रावधान है।
7. यदि आवेदक की 02 से अधिक जीवित संताने हैं जिसमें 01 का जन्म 26.01.2001 या उसके पश्चात हुआ है, तो ऐसे आवेदक शासन के निर्देशानुसार नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।
8. कोई उम्मीदवार जिसने शासन द्वारा विवाह के लिये नियत की गई न्यूनतम आयु के पूर्व विवाह कर लिया हो वे नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। महिला उम्मीदवार के लिये विवाह हेतु निर्धारित न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं पुरुष उम्मीदवार के लिये 21 वर्ष है।
9. चयन के मामले में चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा। विज्ञापित के पदों पर नियुक्ति करने अथवा न करने का अधिकार संस्था प्रमुख के पास सुरक्षित होगा।
10. म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्रमांक/सी. 3-13/2019/3/एक भोपाल दिनांक 12 दिसम्बर 2019 के अनुसार नियुक्त 03 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर परिपत्र अनुसार वेतनमान के न्यूनतम का प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टाईपेंड के रूप में देय होगी। परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर वेतनमान में वेतन दिया जाना प्रारंभ किया जावेगा।
11. आवेदक को नियमानुसार जिला मेडीकल बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रपत्र में विकलांगता/नि:शक्तता का प्रमाण-पत्र जिसमें विकलांगता/नि:शक्तता का प्रतिशत स्पष्ट दर्शाया गया हो, प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ-8-3/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 17 जुलाई 2014 के अनुसार नि:शक्तता प्रमाण-पत्रों का परीक्षण संबंधित जिले के जिला मेडीकल बोर्ड से कराया जावेगा। जांच में यदि 40 प्रतिशत या अधिक नि:शक्तता पायी जाती है तभी उम्मीदवार को कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति होगी। किसी भी अन्य प्रकार के प्रमाण-पत्र को स्वीकार नहीं किया जावेगा।
12. उम्मीदवार को संबंधित पद की उपयुक्ता के लिये अधीक्षक भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा विकलांगों हेतु व्यवसायिक पुनर्वास केन्द्र नेपियर टाउन जबलपुर द्वार विकलांगता सह उपयुक्तता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही नियुक्ति की जावेगी।
13. पदों, शैक्षणिक अर्हता, अनुभव एवं आयु से संबंधित विस्तृत जानकारी तथा आवेदन का प्रारूप दी गई लिंक https://drive.google.com/drive/folders/1SoEbGnKJCm8lcUD8M9ms-uZjN7Zyxh_b को वेब ब्राउजर पर टाइप करके प्राप्त की जा सकती है तथा नीचे दिये क्यू आर कोड को स्केन कर भी प्राप्त कर सकते हैं।

प्र.प्राचार्य

जी-13340/49818/2024 शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, पचोर

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1488

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 576/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 08.07.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 24.07.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_335434	कोपरा मध्यम सिंचाई परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन (छटवां आमंत्रण)	सागर	16.48
2.	2024_WRD_339477	उपसंभाग इछावर के कांकरखेड़ा जलाशय की नहरों का मरम्मत कार्य।	सीहोर	4.99
3.	2024_WRD_339623	गांधीसागर बांध पर बिटूमन शीट का बदलाव एवं दीवारों का मरम्मत कार्य।	मंदसौर	12.20
4.	2024_WRD_344535	जल संसाधन उपसंभाग, इछावर के ढ़ाबलामाता जलाशय का मरम्मत कार्य।	सीहोर	4.03
5.	2024_WRD_348516	सीप-कोलार लिंक परियोजना बांध, कालदेव बांध एवं घोड़ापछाड़ बांध पर ट्रैक रैक असेंबली का फेब्रिकेशन व इरेक्शन का कार्य एवं स्लूस गेट्स का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	भोपाल	19.22
6.	2024_WRD_350499	सूरजपुरा जलाशय योजना के अंतर्गत चौकीदार उपलब्ध कराने का कार्य।	सागर	3.42
7.	2024_WRD_350501	सोनपुर मध्यम परियोजना हेतु चौकीदार का प्रदाय।	सागर	5.06
8.	2024_WRD_350502	सूरजपुरा जलाशय का मरम्मत कार्य।	सागर	1.96
9.	2024_WRD_350877	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र के बहरोल रोपणी वन विभाग की 11 के.व्ही. विद्युत लाइन सहित 25 के.व्ही.ए. (एक नग) के प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्य।	सागर	10.49
10.	2024_WRD_350879	सूरजपुरा सिंचाई परियोजना की नहर पर 11 के.व्ही. विद्युत लाइन (बरकोटी कला के पास) के प्रतिस्थापन सहित ऊंचाई बढ़ाये जाने एवं अन्य कार्य।	सागर	12.28
11.	2024_WRD_351933	उपसंभाग देवरी की सिंचाई कॉलोनी का मरम्मत कार्य।	सागर	8.35
12.	2024_WRD_351935	सोनपुर मध्यम परियोजना का मरम्मत कार्य।	सागर	4.76
13.	2024_WRD_352997	मोहगांव जलाशय के रेडियल गेटों के ऑपरेशन संचालन हेतु जनरेटर रूम एवं चौकीदार रूम का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	छिंदवाड़ा	16.62
14.	2024_WRD_352999	विकासखंड छिंदवाड़ा, चोंराई, मोहखेड़ा, परासिया, तामिया, जुन्नारदेव, हर्रई एवं सॉसर के निर्मित 29 नग स्टापडेम में गेट लगाने एवं खोलने का कार्य।	छिंदवाड़ा	14.42
15.	2024_WRD_353001	पेंच कालोनी की बाउण्ड्रीवॉल का सुधार कार्य।	छिंदवाड़ा	4.66
16.	2024_WRD_353002	बागला जलाशय के स्लूस एवं स्लूस को जोड़ने वाली नहरों का सुधार कार्य।	छिंदवाड़ा	6.26
17.	2024_WRD_353110	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के निर्माण कार्य हेतु स्ट्रक्चरल स्टील का प्रदाय।	भोपाल	2.97
18.	2024_WRD_353113	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के निर्माण कार्य हेतु एम.एस. राउंड बार विभिन्न व्यास 45 मी. एवं 36 मी. व्यास का प्रदाय।	भोपाल	3.18
19.	2024_WRD_353114	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के निर्माण कार्य हेतु स्ट्रक्चर स्टील का प्रदाय।	भोपाल	2.88
20.	2024_WRD_353115	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के निर्माण कार्य हेतु एम.एस. राउंड बार विभिन्न व्यास 56 मी.मी. व्यास का प्रदाय।	भोपाल	3.57
21.	2024_WRD_353116	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के निर्माण कार्य हेतु एम.एस. राउंड बार विभिन्न व्यास 63 मी.मी. व्यास का प्रदाय।	भोपाल	3.88
22.	2024_WRD_353117	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के लिए डब्ल्यू.डब्ल्यू. 90 हेड स्टॉक 63 एमएम डाया नट का प्रदाय कास्टिंग, मशीनिंग एवं असेम्बली का प्रदाय।	भोपाल	17.17
23.	2024_WRD_353653	उपसंभाग क्र. 02 खालवा के 12 तालाबों के 18 नग जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	0.83
24.	2024_WRD_353658	उपसंभाग क्र. 03 नेपानगर के 13 तालाबों के 28 नग जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	0.83
25.	2024_WRD_353660	उपसंभाग बुरहानपुर क्र. 01 के 12 तालाबों के 24 नग जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	0.77
26.	2024_WRD_353707	बाकुड़ लघु जलाशय की माईनर नहर ग्राम लोपईढ़ना के समीप आर.डी. 2400 मीटर पर वेल टाइप सायफन स्ट्रक्चर का मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.14
27.	2024_WRD_353878	मुख्य अभियंता (वि./या.) बांध सुरक्षा भवन, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था के प्रदाय का कार्य।	भोपाल	18.28
28.	2024_WRD_353879	प्रमुख अभियंता, कार्यालय जल संसाधन भवन, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था के प्रदाय का कार्य।	भोपाल	19.25
29.	2024_WRD_353881	प्रमुख अभियंता, जल संसाधन भवन, भोपाल में ईपीएबीएक्स के संचालन का कार्य।	भोपाल	4.98
30.	2024_WRD_353882	घोड़ापछाड़ जलाशय से एमसीएफ इसरो को जल प्रदाय के रखरखाव कार्य।	भोपाल	8.15
31.	2024_WRD_353885	घोड़ापछाड़ जलाशय से एमसीएफ इसरो को जल प्रदाय में लगे सबमर्सिबल पम्प हेतु जीआई पाइप व केबल का कार्य।	भोपाल	2.07
32.	2024_WRD_354199	बाणसागर त्योंथर उद्वहन सिंचाई योजना हेतु स्थापित जैकवेल गेट 2 नग के मरम्मत एवं अनुरक्षण का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	शहडोल	0.85
		कुल योग		**239.00**

जी-13305/49815/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय न्यास मन्दसौर, म.प्र.
तीर्थंकर भगवान महावीर मार्ग (संजीत मार्ग), मन्दसौर, (म.प्र.) 458001
(बी.सी.आई. से मान्यता प्राप्त एवं विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से सम्बद्ध)

आवश्यकता

श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय, मन्दसौर में विक्रम विश्वविद्यालय परिनियम 28 के अंतर्गत निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित हैं।

सहायक प्राध्यापक (विधि) 04 पद

(अ) योग्यता -

(क) एलएल.एम. परीक्षा 55% या अधिक अंकों से उत्तीर्ण हो।
(ख) पीएच.डी. की उपाधि (विधि विषय में) केवल नियमित पद्धति से प्रदान की गई हो।
(ग) पीएच.डी. शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया गया हो।
(घ) अभ्यर्थी ने अपने पीएच.डी. कार्य से दो अनुसंधान पत्रों को प्रकाशित किया हो जिनमें से कम से कम यू.जी.सी. द्वारा संदर्भित जर्नल में प्रकाशित हुआ हो।
(ङ) अभ्यर्थी ने वि.अ.आ./आईसीएसएसआर/सीएसआइआर अथवा ऐसी ही किसी एजेंसी द्वारा प्रायोजित/वित्तपोषित/सहायता प्राप्त सम्मेलनों/विचार गोष्ठियों में अपने पीएच.डी. कार्यों के आधार पर कम से कम दो पत्रों को प्रस्तुत किया हो।
(च) यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित मानक अनुसार नेट या म.प्र. शासन द्वारा आयोजित सेट परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
(छ) म.प्र. लोक सेवा आयोग की विधि विषय में प्रतीक्षा सूची में चयनित व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं।
उपर्युक्त (ख) से (ङ) को कुलपति/सम-कुलपति/संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक कार्य)/ संकाय अध्यक्ष (विश्वविद्यालय शिक्षण) द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए।

(ब) अवधि - सहायक प्राध्यापक पद पर पांच वर्ष के लिए नियुक्ति की जावेगी जिसमें से प्रारंभ के दो वर्ष परिवीक्षा अवधि को सफलता पूर्वक पूर्ण करने पर आगे कार्य संतोषप्रद होने पर नियमित किया जावेगा।

(स) आवेदक को साक्षात्कार के समय अपने सभी मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

(द) वेतनमान - वेतन योग्यता अनुसार देय होगा।

सहायक प्राध्यापक हेतु सेवा शर्तें - यू.जी.सी., बी.सी.आई. विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों तथा श्री जवाहर लाल नेहरू विधि महाविद्यालय न्यास द्वारा निर्मित नियमावली के अनुसार होगी।

अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव संबंधी पूर्ण जानकारी स्वप्रमाणित दस्तावेजों के साथ सचिव, श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय न्यास, तीर्थंकर भगवान महावीर मार्ग (संजीत मार्ग), मंदसौर (म.प्र.) 458001 को इस विज्ञापन के प्रकाशन से एक माह में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

सचिव
R-49819/2024 **श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय, मंदसौर**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)

लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन

प्लाट नं. 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं. - 03/2024/निविदा/सा/मु.अ.भ./ **भोपाल, दिनांक : 01.07.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. आगर मालवा में विधि महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_355522_1	आगर मालवा	746.30	746530	20000	18 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. बारंगवाड़ी जिला बैतूल में कार्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन 01 नग जी टाइप 01 नग एच टाइप आवासगृहों का निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_354988_1	बैतूल	248.57	248570	15000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. ग्राम जियागांव ब्लॉक खातेगांव जिला देवास में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन मय 01 जी एवं 01 एच टाइप आवासगृहों इत्यादि का निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_354805_1	देवास	260.76	260760	15000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. जिला हरदा में 02 बैरिक (01 डबल स्टोरी) का निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_350188_1	हरदा	119.61	119610	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. कंस्ट्रक्शन ऑफ 01 बैरेक डबल स्टोरी (कुल 02 नग बैरेक) एट सबजेल पिपरिया डिस्ट्रिक्ट नर्मदापुरम।

2024_PWPIU_355586_1	नर्मदापुरम	119.61	119610	12500	08 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. रायसेन में नवीन विधि महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_355056_1	रायसेन	746.53	746530	20000	15 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. जिला जेल रायसेन में डबल स्टोरी बैरिक (40 मेल पेसेन्जर) का निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_355043_1	रायसेन	119.61	119610	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत मेडिकल कॉलेज राजगढ़ में नर्सिंग कॉलेज निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_354860_1	राजगढ़	1182.86	1000000	30000	18 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शासकीय पीजी महाविद्यालय ब्यावरा जिला राजगढ़ में 100 सीटर बालिका छात्रावास में द्वितीय तल निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_354872_1	राजगढ़	78.12	78120	10000	10 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 01.07.2024 समय 10.30 से **दिनांक 15.07.2024** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
जी- 13206/49812/2024 **लोक निर्माण विभाग भोपाल**

कार्यालय मुख्य अभियंता

निचली नर्मदा परियोजनाएं, इंदौर 'नर्मदा भवन' सेक्टर बी.जी.

स्कीम नम्बर 74-सी, विजय नगर, इंदौर-452010

ई-मेल : celnpindore@gmail.com, फोन : 0731-2552555, 2552111

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक 04/सा./सोंडवा/मा.उ.सि.यो./2024-25/ **इंदौर, दिनांक : 02.07.2024**

निम्न कार्य की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की गई है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :–

कार्य का नाम	सोंडवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई योजना का टर्न की पद्धति पर निर्माण कार्य 50000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई जो कि 5 हेक्टेयर चक तक, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार (परंतु उस तक सीमित नहीं।)
अनुबंध की अनुमानित राशि	1434.87 करोड़ (जीएसटी छोड़कर)
धरोहर राशि रु. में	50.00 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	50,000/- (पचास हजार वापसी योग्य नहीं)
ऑनलाइन निविदा क्रय करने का दिनांक	03.07.2024, 17.30 Hrs. से 06.08.2024, 17.30 Hrs. तक
ऑनलाइन निविदा दस्तावेज जमा करने का दिनांक	03.07.2024, 17.30 Hrs. से **06.08.2024**, 17.30 Hrs. तक
धरोहर राशि एवं पूर्व अर्हता प्रपत्र खोलने का दिनांक	08.08.2024, 10.30 Hrs. के पश्चात

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग खाते से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता

जी-13163/49811/2024 **निचली नर्मदा परियोजनाएं, इंदौर**

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1074/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 04.07.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 05.08.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_355264	**टर्न की पद्धति पर** :– माँ रेवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	देवास	90794.77
2.	2024_WRD_355266	**टर्न की पद्धति पर** :– बड़ादेव संयुक्त माइक्रो सिंचाई परियोजना अंतर्गत बांध एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	जबलपुर	63040.00

जी-13250/49814/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय मुख्य अभियंता

लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 06/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2024-25 **भोपाल, दिनांक : 05.07.2024**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. राजगढ़ जिले के कालीसिंध नदी पर ओल्ड ए.बी. रोड (एन.एच.-3) सारंगपुर शहर में एल.टी. लाइन विद्युत पोल शिफ्टिंग हॉय रेन्जिंग कार्य एवं स्ट्रीट लाइन कार्य सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
2024_PWDRB_355574_1	राजगढ़	पुल कार्य	प्रथम	1638.42	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :–2. हरदा जिले के अंतर्गत बिचोला से खरदाना मार्ग में अजनाल नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_355576_1	हरदा	पुल कार्य	पंचम	1267.52	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. पन्ना जिले के उमरहट मेंहा मार्ग में केन नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कलवर्ट सहित कार्य।

2024_PWDRB_355578_1	पन्ना	पुल कार्य	अष्टम	842.48	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. दमोह जिले के जरौंध सिमरी मार्ग के व्यारमा नदी पर जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य एवं एच.पी. कलवर्ट सहित कार्य।

2024_PWDRB_355580_1	दमोह	पुल कार्य	षष्ठ	687.27	केवल ऑनलाइन
कुल योग				**4435.69**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 26.07.2024 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-13357/49829/2024 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

हमारे महान नायक

बेहतरीन प्रशासक के साथ ही उत्कृष्ट चिकित्सक भी थे बीसी रॉय

हमारे देश में कई महान शख्स हुए हैं, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अहम और अविस्मरणीय योगदान दिया है। यहां हम आपको ऐसे ही एक महान नायक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बहुविधा के धनी थे। इन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अपनी हिस्सेदारी देने के साथ ही साथ मानव सेवा में उल्लेखनीय कार्य किया है। ये एक बेहतरीन प्रशासक होने के साथ-साथ गजब के चिकित्सक थे। इनका नाम डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय है, जो डॉ. बीसी रॉय के नाम से भी दुनियाभर में प्रसिद्ध थे। डॉ. बीसी रॉय की जयंती और पुण्यतिथि एक ही दिन (एक जुलाई को) आती है। इनको स्वतंत्र भारत में चिकित्सा पेशे के अग्रदूतों में से एक माना जाता है। बिधान चंद्र रॉय भारतीय चिकित्सक, शिक्षाविद, स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे, इसके अलावा वे पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी रहे थे। डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय लोगों का बेहद कम फीस में इलाज करते थे। मेडिकल स्टाफ न होने पर नर्स का काम भी वो खुद कर लिया करते थे। जादवपुर टीबी हॉस्पिटल, चित्तरंजन सेवा सदन, कमला नेहरू मेमोरियल हॉस्पिटल विक्टोरिया इंस्टीट्यूशन (कॉलेज) और चित्तरंजन कैंसर हॉस्पिटल उन्हीं की देन है। वे पहले ऐसे डॉक्टर थे, जिन्होंने लंदन में एमआरसीपी और एफआरसीएस दोनों एक साथ किया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कारमाइकेल मेडिकल कालेज को वर्तमान विकसित स्वरूप प्रदान करने का श्रेय डॉ. राय को ही है। वे सन् 1939 से 45 तक 'आल इंडिया मेडिकल काउंसिल' के अध्यक्ष रहे। इसके अलावा वे अनेक कई राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के सदस्य रहे। चिकित्सक के रूप में उन्होंने पर्याप्त यश और धन अर्जित किया और लोकहित के कार्यों में उदारतापूर्वक दान दिया। बंगाल के अकाल के समय उनके द्वारा की गई जनता की सेवाएं अविस्मरणीय हैं।

ऐसा था बिधान चंद्र रॉय का जीवन

महान चिकित्सक और राजनेता डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय का जन्म 1 जुलाई, 1882 को हुआ था। इतना ही नहीं एक जुलाई, 1962 को ही डॉ. बिधान का निधन हुआ था। इनका जन्म बिहार में पटना के बांकीपुर में हुआ। उनके पिता प्रकाश चंद्र रॉय एक्साइज इंस्पेक्टर थे। उनकी माता एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं। डॉक्टर रॉय पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। इनका प्रारंभिक जीवन अभावों में बीता। इन्होंने पटना कॉलेजिएट स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास की। इंटरमीडिएट की पढ़ाई कोलकाता से और पटना विश्वविद्यालय से गणित में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की। डिग्री लेने के बाद मेडिकल की प्रवेश परीक्षा पास की और कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। एमबीबीएस (MBBS) डिग्री लेने के बाद वे इंग्लैंड के सेंट बार्थोलोम्यू अस्पताल से मेडिसिन में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करना चाहते थे। एशियाई मूल का होने के कारण प्रवेश के लिए उनका आवेदन तीस बार रिजेक्ट हुआ। बड़ी कठिनाई से उन्होंने न सिर्फ सेंट बार्थोलोम्यू अस्पताल में दाखिला लिया, बल्कि दो साल तीन महीने में ही स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। इंग्लैंड से लौटने के बाद उन्होंने सबसे पहले कलकत्ता मेडिकल कॉलेज, बाद में कैंपबेल मेडिकल स्कूल और फिर कारमाइकल मेडिकल कॉलेज में पढ़ाया। वे इस कॉलेज के अध्यक्ष एवं जीवन पर्यंत प्रोफेसर ऑफ मेडिसिन रहे। कलकत्ता और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों ने डॉ. रॉय को डीएस-सी की उपाधि प्रदान की थी।

गांधी जी के निजी चिकित्सक भी रहे थे

डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय महात्मा गांधी के निजी चिकित्सक भी रहे थे। 1933 में गांधी जी को आगा खान पैलेस में कैद करके रखा गया था। वो लगातार अनशन कर रहे थे। इसी बीच बापू की तबीयत बिगड़ गई। गांधीजी स्वदेशी के अलावा कोई दवा नहीं लेना चाहते थे। तब उन्होंने बिधान चंद्र रॉय से कहा कि मैं आपकी दवा क्यों लूं। क्या आप मेरे 40 करोड़ देशवासियों का मुफ्त में इलाज करते हैं? बिधान चंद्र रॉय मुस्कुराए और बोले-वो यहां मोहनदास करमचंद गांधी को ठीक करने नहीं, बल्कि उस इंसान को ठीक करने आए हैं जो 40 करोड़ लोगों का अगुवा है।

ऐसे हुआ राजनीति में प्रवेश

बिधान चंद्र रॉय ने 1925 में राजनीति में प्रवेश किया। वे बंगाल विधान परिषद के चुनाव में बैरकपुर निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए और सुरेंद्रनाथ बनर्जी जैसे दिग्गज राजनेता को पराजित किया। सविनय अवज्ञा आंदोलन में जेल भी गए। सालों तक कलकत्ता कॉर्पोरेशन के सदस्य रहे तथा 1931 से 1933 तक कलकत्ता के मेयर के रूप में कार्य किया। 15 अगस्त, 1947 को उन्हें उत्तरप्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया, पर उन्होंने स्वीकार नहीं किया था। मेयर यानी महापौर के पद पर रहते हुए उन्होंने मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा सहायता, बेहतर सड़कें, रोशनी और जल आपूर्ति के लिए काफी काम किया। 23 जनवरी, 1948 को वे पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए और जीवन के अंतिम क्षण तक इस पद पर बने रहे। बिधान रॉय को आधुनिक पश्चिम बंगाल का निर्माता माना जाता है। वे कभी भाषा और प्रांत की लड़ाई में शामिल नहीं रहे। जब मानभूम के विभाजन की बात हुई और धनबाद से लेकर पुरुलिया तक भाषा के नाम पर लोग सौहार्द्र बिगाड़ने लगे, तब बिहार के मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह से उन्होंने पूछा मेरा जन्म बांकीपुर, पटना में हुआ। बंगाल का मैं मुख्यमंत्री हूं, फिर मैं बंगाली हूं या बिहारी? या फिर भारतीय? इंसान? कौन हूं? डॉक्टर रॉय ने मानवता की सेवा में जो अभूतपूर्व योगदान दिया उसको मान्यता देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस को मनाने की शुरुआत की थी। भारत में पहली बार राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाने की शुरुआत साल 1991 से हुई थी। इसी वर्ष केंद्र सरकार ने पहली बार डॉक्टर डे मनाया था। डॉक्टर बिधान चन्द्र रॉय का लोहा पूरी दुनिया मानती है। ब्रिटिश जर्नल ने दुनिया का सबसे बेस्ट फिजिशियन और चेस्ट एक्सपर्ट बताया था। वे चेहरा देखकर बीमारी बता देते थे। नेताजी सुभाष के टीबी के लक्षण पर इन्होंने ही ध्यान दिलाया था।

विदेश में भेदभाव सहा

1947 में बिधान चंद्र भोजन के लिए अमेरिका के एक रेस्तरां पहुंचे तो उन्हें देखकर सर्विस देने से मना कर दिया गया। इसका पूरा घटनाक्रम न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित हुआ था। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया कि रॉय अपने पांच दोस्तों के साथ रेस्तरां पहुंचे थे। उनको देखकर रेस्तरां ऑपरेटर ने महिला वेटर से कहा कि उनसे (बीसी रॉय से) कहे कि यहां उन्हें सर्विस नहीं दी जाएगी, वो यहां से खाना लेकर बाहर जा सकते हैं। यह बात सुनने के बाद रॉय वहां से उठे और चले गए। घटना के बाद इस सामाजिक भेदभाव का पूरा किस्सा रिपोर्टर से साझा किया और भारत लौट आए थे।

डॉ. बीसी रॉय से जुड़े अहम तथ्य और जानकारी

- कलकत्ता के पहले स्नातकोत्तर मेडिकल कॉलेज की स्थापना में उनकी मुख्य भूमिका रही थी।
- 1911 में एक साथ रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस का सदस्य और रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जंस का फेलो बनने की उपलब्धि डॉ. बीसी रॉय ने अपने नाम दर्ज करायी थी।
- 4 फरवरी, 1961 को चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था।
- 1962 में बीसी रॉय नेशनल अवॉर्ड्स की शुरुआत हुई।
- 1991 से एक जुलाई का दिन नेशनल डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जा रहा है।

- रश्मि रंजन

लेखिका, सम-सामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।

म.प्र. पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in , मोबा. : 9406808103

क्र. 837-38/पय/मप्रपुहाइडेकालि/24/ उज्जैन, दिनांक : 08.07.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत **निविदा क्रमांक-05/2024-25 दिनांक 08.07.2024** के अंतर्गत अर्द्धशहरी थाना भवन का निर्माण कार्य, जी.आर.पी. शामगढ़ जिला मंदसौर एवं **निविदा क्रमांक-06/2024-25 दिनांक 08.07.2024** के अंतर्गत अपूर्ण कार्य एक टाइप 6 नग, जी टाइप 8 नग एवं एच टाइप 8 नग आवासीय भवनों का निर्माण कार्य, जिला चिकित्सालय, मंदसौर (रिस्क एण्ड कास्ट) निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_356201, 2024_MPPHC_356202 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 24.07.2024 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115288/2024 R-49824/2024 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)

फोन नं. : 9425601556/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत बाह्य विद्युतीकरण कार्य नवीन सिविल अस्पताल पवई जिला पन्ना के कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 04/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2024_MPPHC_356385_1) आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.07.2024 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115296/2024 R-49825/2024 **परियोजना यंत्री**

MP POWER MANAGEMENT COMPANY LTD.

(A Govt. of MP Undertaking)

CIN : U40109MP2006SGC018637

ENGAGEMENT OF MEDICAL OFFICER ON JOB CONTRACT BASIS

MP Power Management Company Limited intends to engage 01 Medical Officer on job contract basis for its Hospital at Rampur, Jabalpur, on consolidated monthly remuneration of Rs. 65,000/- p.m. Last Date for submission of application is extended **upto 18.07.24.**

For application form and detailed information please visit **www.mppmcl.com.**

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/115299/2024 R-49826/2024 **(HR&A)**

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA

NON-CET 2024 Admission

Institute of Management Studies, Center of Excellence, Indore (NAAC Accredited A+ Grade University)

DIRECT ADMISSION-NO ENTRANCE EXAMINATION

Applications are Invited for VACANT SEATS under following Programmes

MBA (Executive) 2 Years Weekend Classes (For Working Professional Only) Specializations Offered Finance, Marketing, HR, IT, Operations, Disaster Management, Healthcare & Hospital Administration	Candidates having Graduate or Postgraduate degree with minimum 45% marks from a recognized University and having executive/managerial experience of at least FIVE YEARS after graduation. **OR** At least TWO YEARS experience after Post Graduation in Industry/Government sector will be eligible for admission. Professional and Self-Employed Entrepreneur will also be eligible for admission provided he/she is a Graduate/Postgraduate with at least 45% marks and has been working in self-employment for at least TWO YEARS after graduation. **(Note : Eligibility for admission in MBA (Executive) for the session 2024-25 is subject to change.)**
MBA (Hospital Administration) 2 Years	Graduates who have passed MBBS, BDS, BAMS, BHMS, BPT, B.Sc. (Nursing) and Graduation in Health/Hospital Administration with at least 50% marks. (Internship Completion is necessary wherever applicable)
MBA (Public Health) 2 Years	Graduates who have passed MBBS, BDS, BAMS, BHMS, BPT, B.Sc. (Nursing) and Graduation in Health/Hospital Administration with at least 50% marks. (Internship Completion is necessary wherever applicable)

No upper age limit and admission through merit based on the percentage of marks in Graduation/Post Graduation. Relaxation of marks in qualifying examination as per Govt. rules. Last date to apply is **24th July 2024.** For application form, date of counselling and other details visit NON-CET Programmes 2024-25 section on DAVV website **http://www.dauniv.ac.in**

M.P. Madhyam/115318/2024 R-49827/2024 **DIRECTOR**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal, (M.P.)

No./8453/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 11.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 302/MTN/2024 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Table-1 : Name of Work - Post 5 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Katni	1	13159000.00

2. Table-2 : Name of Work - Post 10 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Jabalpur	1	4618000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from 12.07.2024 from 17:30 hrs.
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/115347/2024 R-49828/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

VIDYASAGAR COLLEGE, INDORE

(Recognized by NCTE New Delhi, Affiliated to DAVV, Indore)

Address : Bhicholi Mardana, New Campus : Hingoniya Near Kanadia, Indore (M.P.)

VACANCIES

Applications are Invited for the following posts : HOD, Professor, Associated Professor, Assistant Professor, Librarian for B. Ed., M. Ed., B. P. Ed. & D. Ed. Courses

Note : Qualification & Experience as per latest NCTE/UGC Norms

Apply within 10 days with Complete Bio-data, Testimonials and Photo to the Principal, Vidyasagar, College, Indore by Email : vcimp@rediff.com

Prof. Dr. Nilesh Kumar Patel (Principal)

SHARP EYE R-49823/2024

SALONI COLLEGE RATLAM

(Recognized By NCTE New Delhi, Approved by M.P. Govt. Higher Education & Affiliated to Vikram University, Ujjain M.P.)

Run by : Home Youth Welfare Society Ratlam

REQUIRED

UNDER UNIVERSITY CODE-28

For – B.Ed. Course		
01	Principal/ HOD	01 Post

Assistant Professor		
02	Perspectives in Education	04 Post
03	Pedagogy subjects (Maths, Science, So. Science, Language)	08 Post
04	Health And Physical Education	01 Post
05	Fine Arts	01 Post
06	Performing arts (Music /Dance/Theatre	01 Post

Qualification : As per NCTE Norms, Salary As per NCTE & UGC Norms

Apply within 08 Days From Today

College address : Survey No.196/1 Village Dharad Post Office : Dharad, Teh. Ratlam Distt. : Ratlam (M.P.)-457441

Email ID : salonicollege.ratlam@gmail.com

Contact No. : 9039006929, 9009190093

R-49822/2024

LITTLE ANGEL INSTITUTE OF LAW

Approved by BCI & Affiliated with DAVV

REQUIRES

Principal/Professor/Associate Professor/ Assistant Professor

(Selection under College Code 28)

Invites Application for LL.B/BA LL.B/BBA LL.B/B.Com. LL.B.

Law/Management/Commerce/Arts

Educational Qualification as per UGC Norms.

Interested candidates may send their resume with relevant documents and experience certificates to the below address **within 10 days**

Jail Road, Telikheda, Mhow

Dist-Indore (M.P.)-453441

E-mail : laipsmhow@gmail.com

Mobile : 9424572828, 7247282851

R-49821/2024

भारतीय समाज सदैव से रहा है प्रकृति पूजक - मुख्यमंत्री

इंदौर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने इंदौर स्थित बीएसएफ रेंज क्षेत्र में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अपनी माताजी की स्मृति में पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती लीलाबाई यादव की स्मृति में बरगद का पौधा लगाया। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती संतरा यादव, प्रदेश के नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती अयोध्या देवी विजयवर्गीय की स्मृति में आम का वृक्ष लगाया।

इंदौर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा आदिकाल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां क्षिप्रा सहित 7 नदियों के उद्गम का स्थल इंदौर है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ अब ग्रीन सिटी में भी इंदौर अवश्य नम्बर वन बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से पौधरोपण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्यप्रदेश को चीते मिले, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। भारत की वैदिक परंपराओं में कहा गया है कि 10 कुओं के समान एक सरोवर, 10 सरोवर के समान एक तालाब, 10 तालाब के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। ऐसी हमारी वैदिक मान्यता होकर वृक्ष की महत्ता हमारी परम्परा में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है।

140 करोड़ पौधे लगाने का अभियान

केंद्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। पूरे देश में 140 करोड़ पौधे लगाने का महा अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप 45 से 50 डिग्री तापमान के रूप में देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में विकास और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मनुष्य ने कांक्रीट के शहर तो बसा दिए लेकिन धरती की हरियाली को नष्ट कर दिया। मनुष्य कितनी भी तरक्की कर ले लेकिन भोजन, पानी, दवाओं का अंतिम तत्व सहित कई आवश्यक चीज प्रकृति उपहार में देती है लेकिन हम प्रकृति को इसके बदले में क्या लौटाते हैं। एक मां ने हमें जन्म दिया तथा एक धरती मां हमें जीवन जीने के साधन प्रदान करती है। जीवन देने वाली 'मां' को नमन करने और प्रकृति मां के प्रति सम्मान के प्रति हरी भरी धरती देने के संकल्प को पूरा करना हमारा कर्तव्य है।

नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर के ग्रीन कवरेज को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए 51 लाख पौधों का रोपण कर इनके संरक्षण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएंगे।

जन और जनजातीय संस्कृति के विकास में अव्वल मध्यप्रदेश

भोपाल, जनजातीय वर्ग के समग्र विकास के लिये राज्य सरकार बेहद संवेदनशील है। इस वर्ग के लिये सरकार की संवेदनशीलता इसी तथ्य से परिलक्षित होती है कि सालाना बजट 2024-25 में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति (उप योजना) के लिये 40 हजार 804 करोड़ रुपये बजट आवंटित किया गया है। यह बजट वर्ष 2023-24 से 3 हजार 856 करोड़ रुपये (करीब 23.4 प्रतिशत) अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनजातीय वर्ग के कल्याण और इन्हें समर्थ बनाने की संवेदनशील पहल पर ही इस वर्ष जनजातीय कार्य विभाग को पहले से अधिक धनराशि आवंटित की गई है। जनजातीय बंधुओं और इनकी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण और विकास के लिये सरकार द्वारा अनेक नवाचारी कदम उठाये जा रहे हैं। सरकार के प्रयासों से जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी, युवा, खिलाड़ी और कलाकार अब विकास की एक नई राह पर चल पड़े हैं।

जनजातीय वर्ग के बच्चों की शिक्षा-दीक्षा की ठोस चिंता करते हुए सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में सीएम राइज़ स्कूलों के निर्माण के लिये 667 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान नियत किया है। इस वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के प्रति प्रोत्साहित करने के लिये सरकार ने 11वीं, 12वीं एवं महाविद्यालयीन छात्रवृत्ति के लिये 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सरकार की अत्यंत सराहनीय पहल आकांक्षा योजना में जनजातीय वर्ग के 10वीं पास विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश सरकार नीट, क्लैट एवं जेईई की नि:शुल्क कोचिंग देने का कार्य कर रही है। नि:शुल्क कोचिंग के साथ-साथ सरकार जनजातीय विद्यार्थियों को टैबलेट भी देगी। साथ ही डेटा प्लान भी सरकार द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के लिये सरकार ने बजट में 10 करोड़ 42 लाख रुपये आरक्षित कर दिये हैं।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) के तहत विशिष्टत: असुरक्षित जनजातीय समूहों (पीव्हीटीजी) के सर्वांगीण विकास के लिये मध्यप्रदेश सरकार प्रतिबद्धतापूर्वक प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश में तीन विशेष पिछड़ी जनजातियां बैगा, भारिया एवं सहरिया निवास करती हैं। पीएम जन-मन योजना के तहत इन विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में बहुउद्देश्यीय केन्द्र, ग्रामीण आवास, ग्रामीण सड़क, समग्र शिक्षा एवं विद्युतीकरण कार्य कराये जायेंगे। सरकार ने जारी वित्त वर्ष के बजट में इन कामों के लिये 1 हजार 607 करोड़ रुपये प्रावधानित किये हैं।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीव्हीटीजी) आहार अनुदान योजना के तहत इन जनजाति समूह बाहुल्य ग्रामों में जनजातीय परिवारों को 1 हजार 500 रुपये प्रति माह आहार अनुदान के रूप में सहायता राशि दी जाती है। इसके लिये सरकार ने बजट 2024-25 में 450 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। इस राशि से बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातीय परिवारों को नि:शुल्क आहार अनुदान वितरित किया जाएगा। विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिये सरकार 2024-25 में 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त व्यय करेगी। वहीं इसी योजना के अंतर्गत विशेष जनजातीय क्षेत्रों में 217 नये आंगनवाड़ी भवनों का भी निर्माण किया जा रहा है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में पौधरोपण की पहल देश के लिए मिसाल - प्रधानमंत्री

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में राजधानी भोपाल में बड़ी संख्या में पौधरोपण कर एक दिन में 12 लाख पौधे लगाने का रिकॉर्ड स्थापित करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भोपाल के नागरिकों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा है कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भोपाल के मेरे भाई-बहनों की यह पहल देश भर के लिए मिसाल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयास पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा सदैव देश का सामूहिक संकल्प बनकर जनसहभागिता के माध्यम से इतिहास रचती रही है। स्वच्छता अभियान से देश की तस्वीर बदलने से लेकर कोरोना को पराजित करने तक देश ने प्रधानमंत्री के आह्वान पर विश्व के सामने अद्भुत मिसाल पेश की। निश्चित ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान भी देश में पर्यावरण संरक्षण के साथ मां की सेवा के पवित्र भाव को मजबूती प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने 5.50 करोड़ पौधरोपण का संकल्प साकार करने का बीड़ा उठा लिया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री ने भोपाल के जम्बूरी मैदान में पौधा रोपकर प्रदेश में इस अभियान की शुरुआत की। राजधानी भोपाल में 300 जगह एक दिन में रिकॉर्ड 12 लाख पौधे रोपे गए।

मुख्यमंत्री ने 40 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से दो दुर्घटनाओं में 10 व्यक्तियों की मृत्यु पर 40 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। एक जुलाई को श्योपुर जिले के ग्राम टर्रा खुर्द, अरोंदरी, बलावली का पटरा और भूतकछा के 7 व्यक्तियों की करोली माता दर्शन के लिये राजस्थान जाते समय सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी थी। मुख्यमंत्री ने उनके परिजन को चार-चार लाख रुपये प्रति मृत व्यक्ति के मान से कुल 28 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री ने 24 जून को दमोह जिले के ग्राम वांसातारखेड़ा में हुई घटना में तीन व्यक्तियों की मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री ने तहसील भवन का किया शुभारंभ

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में 6 करोड़ 40 लाख की लागत से नवनिर्मित संयुक्त भवन तहसील कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यालय के विभिन्न कक्षों का अवलोकन भी किया।

नवीन भवन में उज्जैन नगर तहसील और कोठी महल तहसील कार्यालय संचालित किया जाएगा। संयुक्त तहसील कार्यालय भवन का निर्माण 6 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से किया गया है। इसका निर्माण 2450 वर्गमीटर में किया गया। जिसमें भू-तल 1180 वर्गमीटर, प्रथम तल 1180 वर्गमीटर एंव वरांडा एवं पोर्च 90 वर्गमीटर में निर्मित किया गया है।

सीएम राइज़ विद्यालय में स्कूल बस सेवा शुरू

भोपाल, सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत गोविंदपुरा शासकीय सीएम राइज़ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लिये निःशुल्क स्कूल बस सेवा का शुभारंभ किया। श्री सारंग ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क परिवहन सेवा के शुभारंभ अवसर पर श्री सारंग ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बस सेवा का लाभ लेने वाले विद्यार्थियों से संवाद भी किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण भी किया।

आगामी 5 वर्षों में प्रदेश का बजट 7 लाख करोड़ रुपये वार्षिक तक ले जाने का प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में आयोजित सेन्ट्रल इण्डिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स के बजट संदेश कार्यक्रम को संबोधित किया

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में सेन्ट्रल इण्डिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश बजट सन्देश-2024 कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आयोजन विक्रम विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अखिलेश कुमार पाण्डेय ने की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार राज्य का बजट पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इस बार का बजट विकासोन्मुखी है। प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिये बजट में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं। अगले पांच वर्षों में प्रदेश का बजट सात लाख करोड़ रुपये वार्षिक तक ले जाने का प्रयास है। इस बार के बजट में प्रदेश के समग्र विकास के लिए समुचित प्रबंध किए गए हैं। हमें अधोसंरचनात्मक विकास पर विशेष ध्यान देना है, ताकि आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलें। खेती के लिये पर्याप्त सिंचाई हो सके, इसके लिये हमें मिलने वाले पानी का पूर्ण उपयोग करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंभीर डेम में पाइप लाइन के माध्यम से मां नर्मदा का पानी भरा जायेगा।

कई नई परियोजनाएं प्रारंभ होंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशवंत सागर बांध को भी पाइप लाइन के माध्यम से भरने का कार्य किया जायेगा। इस प्रकार बांधों में वर्षभर पानी उपलब्ध रहेगा। चंबल, पार्वती, कालीसिंध नदी के जल का उपयोग करने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा 35 हजार करोड़ रुपये की राशि से कार्य योजना बनाई जा रही है, जिससे प्रदेश के कई जिलों को लाभ मिलेगा। बुंदेलखण्ड क्षेत्र में बेतवा नदी पर भी कई परियोजनाएं प्रारम्भ की जायेंगी। उन्होंने कहा कि बजट का 40 प्रतिशत औद्योगिक विकास के लिये निर्धारित किया है।

प्रदेश में 42 हजार चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिये प्रदेश के गांव के सामुदायिक केन्द्रों में डॉक्टरों की भर्ती की जायेगी। प्रदेश में 42 हजार चिकित्सकों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के पद एकसाथ भरे जायेंगे। चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्र को और मजबूत किया जायेगा। वन क्षेत्रों में पेसा एक्ट लागू किया गया है। इसके माध्यम से वनोपज पर एमएसपी प्रदाय की जा रही है। मोटे अनाज के उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह यादव ने उज्जैन में महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना की

स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान और उपचार होगा आसान

इंदौर, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने इंदौर के एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज एवं एम.वाय. अस्पताल इंदौर में डिजिटल मैमोग्राफी एवं टोमोसिंथेसिस मशीन की स्थापना को एक अत्यंत कारगर और महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से स्तन कैंसर के मामलों की जल्द पहचान और प्रभावी उपचार संभव हो सकेगा। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विवेक कुमार पोरवाल ने बताया कि 1 करोड़ 75 लाख रुपये लागत की डिजिटल मैमोग्राफी एवं टोमोसिंथेसिस मशीन से स्तन की 3 से 5 मिलीमीटर तक की छोटी से छोटी गठान का भी पता लगाया जा सकेगा।

युगदृष्टा डॉ. मुखर्जी का देश रहेगा सदा आभारी

भोपाल, बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी युगदृष्टा थे। उन्होंने देश के सामने मौजूद समस्याओं का पूर्वानुमान लगाकर देश की एकता बनाए रखने और देशवासियों को जागरूक करने का अद्भुत कार्य किया। अंग्रेजों के बंग-भंग के षडयंत्र का भांडाफोड़ करने और कश्मीर की समस्या के दूरगामी दुःखद परिणामों से जन-जन को अवगत कराने के लिए देश उनका सदैव आभारी रहेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के विकास भवन में निर्मित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का 33 साल की आयु में कुलपति बनना उनकी प्रतिभा को दर्शाता है। उनके द्वारा कश्मीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के बाद भी देश में धारा-370 का कलंक जारी रहा एवं 40 हजार निरपराध लोग पीड़ा और हिंसा के शिकार हुए। अंततः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़-संकल्प ने देश को धारा-370 से मुक्ति प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विकास दर में निरंतर सुधार हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सभागृह लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

समाज सेवक के रूप में कार्य सम्पादित करें समिति प्रबंधक

भोपाल, सहकारिता एवं खेलकूद युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने समन्वय भवन में मध्यप्रदेश के 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में आईबीपीएस परीक्षा के माध्यम से चयनित समिति प्रबंधकों को संबोधित करते हुए कहा कि जो भी दायित्व उन्हें मिला है, उसे पूरी ईमानदारी से निभायें। कोई भी काम छोटा नहीं होता। सफल इंसान वह है जो प्रतिदिन नए ढंग से अपने काम को करते हैं। आप यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपको जो चार महत्वपूर्ण बिंदु ऋण वितरण, वसूली, उपार्जन एवं नवाचार संबंधी जो महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला है, उसका पूरा अनुसरण करेंगे। आप अपनी समिति में सेवा भाव से अपने वरिष्ठ अधिकारियों एवं कनिष्ठ अधिकारियों तथा समिति के सभी सदस्यों के साथ बेहतर तालमेल रखकर अपने कर्तव्य का निष्पादन भी करेंगे।

क्षमता के आधार पर होती है प्रगति

श्री सारंग ने युवा साथियों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के मंत्र को साकार करने की दिशा में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के सपने मध्यप्रदेश में आप सभी के माध्यम से साकार हों। उन्होंने कहा कि आप बेहतर ढंग से अपनी सेवाएं समितियां को उपलब्ध कराएंगे तो समितियां निश्चित रूप से प्रगति पथ पर अग्रसर होंगी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ भी बनेंगी। हम समितियां को 'ए' 'बी' 'सी' और 'डी' चार भागों में बांटेंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

उन्नति और खुशहाली की ओर निरंतर बढ़ते कदम

मध्यप्रदेश सरकार के 180 दिन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सुशासन से समृद्धि

- प्रधानमंत्री जी द्वारा साइबर तहसील परियोजना प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू। नामांतरण, बंटवारा आदि विभिन्न राजस्व प्रकरणों के ऑनलाइन निराकरण की पहल करने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य
- ध्वनि विस्तारक यंत्रों की अनियंत्रित आवाज का प्रयोग प्रतिबंधित
- खुले में मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबन्ध
- यातायात सुगमता के लिए भोपाल में बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने का निर्णय
- जिलों, संभागों, तहसीलों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के लिए पृथक प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग बनाने का निर्णय
- उज्जैन शहर के केडी गेट से इमली तिराहा मार्ग चौड़ीकरण के लिये 23 धार्मिक स्थलों को हटाने के लिये व्यवस्थापकों, पुजारियों और नागरिकों द्वारा सहयोग कर साम्प्रदायिक सौहार्द का उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत
- निजी स्कूलों द्वारा कोर्स की किताबें, यूनिफार्म एवं अन्य शिक्षण सामग्री किसी निर्धारित दुकान से खरीदने के लिए पालकों पर अनुचित दबाव डाले जाने के मामले में मुख्यमंत्री द्वारा स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश
- 2000 से अधिक पुलिसकर्मियों को मिला पात्रतानुसार उच्च पद
- बालाघाट के कमकोदादर में हुई मुठभेड़ में नक्सलियों को खत्म करने वाले 24 शासकीय पुलिस सेवकों का आउट ऑफ टर्न प्रमोशन
- पुलिसकर्मियों के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 25 हजार मकान बनाने का लक्ष्य
- मध्यप्रदेश में आयी अपराधों में कमी, थानों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण का कार्य तेजी से जारी
- 105 वर्ग मीटर तक के आवासीय भू-खंडों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर डीम्ड अनुज्ञा प्राप्त करने और 300 वर्ग मीटर तक के आवासीय भू-खंडों पर त्वरित अनुज्ञा प्रदान करने की व्यवस्था लागू
- दो चरणों में राजस्व महाअभियान चलाकर 30 लाख 48 हजार से अधिक राजस्व प्रकरणों का निराकरण
- प्रदेश के सभी बोरवेलों की जानकारी रखने हेतु शासन द्वारा पोर्टल तैयार। खुले बोरवेलों को बंद करने के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय
- सभी संभागों में समीक्षा बैठकों के दौरान बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास
- शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत की वृद्धि से 46% हुआ डीए

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

- प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों से गंभीर रूप से बीमार/दुर्घटनाग्रस्त लोगों को एयरलिफ्ट कर समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए सरकार की संवेदनशील पहल के तहत पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ
- कार्य दक्षता के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का विलय
- आयुष्मान भारत योजना में 3 करोड़ 99 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड वितरित। अब तक 38 लाख से अधिक मरीजों का निःशुल्क उपचार
- जिला अस्पताल एवं सिविल अस्पतालों को एक-एक शव-वाहन उपलब्ध कराने का निर्णय
- सागर, शहडोल, नर्मदापुरम, धार, झाबुआ, मंडला, बालाघाट, श्योपुर एवं खजुराहो में नए आयुर्वेदिक महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय
- सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना का निर्णय
- चिकित्सा महाविद्यालयों को पीपीपी मोड पर स्थापित करने का निर्णय। मेडिकल कॉलेजों के साथ नए नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना के लिए राशि स्वीकृत
- स्वास्थ्य संस्थानों में 46 हजार 491 नये पदों (नियमित/संविदा/आउटसोर्स) के सृजन की स्वीकृति
- स्वास्थ्य सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के लिये स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सीय विशेयज्ञों के 607 पदों पर पूर्ति सीधी भर्ती से कराने की मंजूरी

"हमारा उद्देश्य है कि सरकार उपलब्ध संसाधनों के साथ जनहितैषी गतिविधियों को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करे। प्रदेश को विकास के पथ पर निरंतर आगे ले जाना और सुशासन को सच्चे स्वरुप में धरातल पर उतारना ही हमारा लक्ष्य है"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समावेशी शिक्षा से संवरता कल

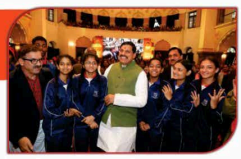

- प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के अंतर्गत 8 विश्वविद्यालयों में अधोसंरचना तथा अन्य विकास कार्यों के लिए ₹400 करोड़ स्वीकृत
- हर जिले में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु ₹485 करोड़ के निवेश से 55 जिलों में पूर्व से संचालित एक महाविद्यालय का पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में उन्नयन। इन कॉलेजों में 1750 शैक्षणिक एवं 369 तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के पद सृजित
- पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस को बहुसंकायी बनाने एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के संचालन हेतु 7 महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर नवीन संकाय एवं 55 महाविद्यालयों में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस विषय प्रारंभ
- पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में सेंटर फॉर रिसर्च इन स्कीम एंड पॉलिसी (CRISP) के माध्यम से 8 रोज़गारोन्मुखी स्किल-आधारित पाठ्यक्रमों का संचालन
- आईआईटी इंदौर के सहयोग से उज्जैन में निर्मित देश के प्रथम शोध-आधारित नवाचार, प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता अनुभवात्मक विद्यार्जन केंद्र (डीप-टेक रिसर्च और डिस्कवरी सैटेलाइट कैंपस) का उद्घाटन
- खरगोन में ₹170 करोड़ से क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय का उद्घाटन
- 369 सर्वसुविधायुक्त सीएम राइज़ विद्यालयों का संचालन
- विश्वविद्यालयों के कुलपति को कुलगुरु कहे जाने का निर्णय
- सागर में रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय एवं गुना में तात्या टोपे विश्वविद्यालय प्रारंभ
- आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के नाम से होगा सागर में आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना मध्यप्रदेश
- अंतरराष्ट्रीय शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ने के लिए 12 अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ एम.ओ.यू.
- विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं की अंक सूची एवं उपाधियों को डिजी लॉकर में अपलोड करने की व्यवस्था लागू
- व्यावसायिक शिक्षा एवं सामान्य शिक्षा का एकीकरण कर 35 व्यावसायिक विषयों का पाठ्यक्रम में समावेश
- इंजीनियरिंग-मेडिकल की तर्ज पर नर्सिंग स्टूडेंट की स्टेट लेवल पर परीक्षा का निर्णय, केंद्र के नर्सिंग एक्ट के अनुसार राज्य में आयोग गठित होगा। भविष्य में नर्सिंग संस्थाओं को मान्यता राष्ट्रीय आयोग देगा
- शिक्षा में गुणवत्ता के लिये भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, रीवा के विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन केंद्रों की स्थापना
- पायलट ट्रेनिंग के लिए विश्वविद्यालयों में कोर्स शुरु होगा
- एमपी बोर्ड 12वीं में 75 फीसदी अंक पाने वाले करीब 90 हजार छात्रों को लैपटॉप के लिए दी जायेगी ₹25-25 हजार की राशि
- सागर, खरगोन और गुना में नए विश्वविद्यालयों की स्थापना
- शासकीय महाविद्यालयों में कृषि को एक विषय के रूप में जोड़ा गया

अन्नदाता के जीवन में आयी खुशहाली

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत 80 लाख से अधिक किसानों को प्रतिवर्ष ₹12 हजार की सहायता
- फसल बीमा योजना खरीफ–23 के अंतर्गत 25 लाख से ज्यादा किसानों को ₹750 करोड़ से अधिक की राशि के दावों का भुगतान
- श्रीअन्न (मिलेट्स) उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में प्रति क्विंटल ₹1000 का विशेष प्रोत्साहन
- रबी विपणन वर्ष 2024-25 में 6 लाख से अधिक किसानों से 48 लाख 35 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का समर्थन मूल्य पर नकद भुगतान कर उपार्जन। प्रति क्विंटल ₹125 बोनस का भुगतान
- किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋण योजना लागू रखने का निर्णय
- मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना अब प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के नाम से लागू
- सात जिलों (उमरिया, अलीराजपुर, बैतूल, मंडला, खंडवा, सीधी एवं सीहोर) में 71 हजार 345 हेक्टेयर वन क्षेत्र से लघु वनोपज के निर्यात के लिए मिला जैविक प्रमाण-पत्र

सशक्त बनती नारी शक्ति

- लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 1 करोड़ 29 लाख बहनों के खातों में जनवरी से अभी तक ₹9 हजार 455 करोड़ से अधिक की सहायता राशि का अंतरण
- लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत दिसंबर 2023 से अभी तक 73 हजार 880 लाड़ली बालिकाओं के खाते में ₹34 करोड़ की छात्रवृत्ति का अंतरण
- 45 लाख 89 हजार बहनों के खातों में ₹450 में गैस सिलिंडर की रीफिलिंग के लिए ₹118 करोड़ का अंतरण
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत 3 चरणों में अब तक 88 लाख से अधिक निःशुल्क गैस कनेक्शन दिये
- महिला स्व-सहायता समूहों को दी गयी ₹9 हजार 560 करोड़ से अधिक की सहायता

युवा कल्याण के सतत् प्रयास

- सरकारी नौकरियों के लिए चयनित 11 हजार से अधिक उम्मीदवारों को सौंपे गए नियुक्ति-पत्र
- स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित करने के लिए नई पहल के तहत, प्रदेश के स्टार्ट-अप्स को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता के लिए ₹50 हजार से लेकर डेढ़ लाख तक वित्तीय सहायता का प्रावधान
- राज्य स्तरीय 'रोज़गार दिवस' के अवसर पर रिकॉर्ड 7 लाख युवाओं को ₹5 हजार करोड़ का स्व-रोज़गार ऋण वितरित
- अग्निवीर योजना में युवाओं का अधिक से अधिक चयन हो, इस उद्देश्य से 360 घंटे प्रशिक्षण देने का लक्ष्य
- मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में फरवरी 2024 में 8 हजार प्रशिक्षणार्थियों को ₹ 6 करोड़ 60 लाख का स्टाइपेंड वितरित

गरीब वर्ग को मिला सम्मानजनक जीवन

- इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को ₹224 करोड़ की राशि का भुगतान
- स्वामित्व योजना में 23 लाख 50 हजार लोगों को स्वामित्व अधिकार पत्र वितरित
- श्रमिकों को ई-स्कूटर खरीदने के लिए ₹40 हजार की आर्थिक सहायता का निर्णय
- 'मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना 2.0' के अंतर्गत 30 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों को ₹670 करोड़ से अधिक की अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण
- दिव्यांगता और मृत्यु के आधार पर मिलने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर ₹4 लाख किया
- विभिन्न श्रेणी के ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिये 24 हजार 420 करोड़ रुपये की सब्सिडी का निर्णय

कमजोर वर्ग के साथ प्रदेश सरकार

- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के माध्यम से प्रतिमाह 55 लाख 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को पिछले एक वर्ष में लगभग ₹4 हजार करोड़ से अधिक पेंशन राशि का अंतरण
- तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय ₹3000 प्रति बोरा से बढ़ाकर ₹4000 हजार किया। लगभग 35 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक लाभान्वित
- पीएम जन-मन योजना अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में ₹7300 करोड़ से अधिक की लागत से हो रहे अधोसंरचना के कार्य। कुल 11 लाख से अधिक भाई-बहन लाभान्वित होंगे। साथ ही बैगा, भारिया और सहरिया परिवारों के अविद्युतीकृत घरों तक बिजली पहुंचाने की कार्ययोजना स्वीकृत
- आहार अनुदान योजना अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों की बहनों के खातों में जनवरी से अभी तक ₹148 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

R-49820, D-19018/2024

आवरण : म.प्र. माध्यम/2024

न्यायमूर्ति बिद्युत रंजन सारंगी

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने

केंद्रीय विधि मंत्रालय ने न्यायमूर्ति बिद्युत रंजन सारंगी को

झारखंड उच्च न्यायालय का नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। वह वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रशेखर की जगह लेंगे। न्यायमूर्ति सारंगी इससे पहले ओडिशा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। सर्वोच्च न्यायालय की कॉलेजियम ने दिसंबर 2023 में उनके नाम की सिफारिश की थी। केंद्रीय विधि मंत्रालय ने केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहम्मद मुस्तफा को केरल उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

सुजाता सौनिक

महाराष्ट्र की पहली महिला मुख्य सचिव बनीं

महाराष्ट्र में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुजाता सौनिक

ने मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण कर लिया है। वह महाराष्ट्र के 64 वर्ष के इतिहास में मुख्य सचिव बनने वाली पहली महिला बनीं। वर्ष 1987 बैच की आईएएस अधिकारी सुजाता सौनिक ने मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए नितिन करीर की जगह ली। सुजाता इससे पहले महाराष्ट्र के गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव थीं।

डीआरडीओ ने

अभ्यास ड्रोन का सफल परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने

ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (आईटीआर) से हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट 'अभ्यास' ड्रोन का सफल परीक्षण किया। इस ड्रोन का यह दसवां परीक्षण था। अभ्यास ड्रोन का इस्तेमाल विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन हेतु हवाई लक्ष्य के रूप में होता है। इस बार परीक्षण के दौरान अभ्यास के टेलीमेट्री रडार एवं इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम सहित विभिन्न ट्रैकिंग सेंसर की जांच की गई।

रवि अग्रवाल

सीबीडीटी के नए अध्यक्ष नियुक्त

केंद्र सरकार ने वर्ष 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा

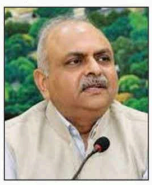

के अधिकारी रवि अग्रवाल को आयकर विभाग के प्रशासकीय निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह इससे पहले सीबीडीटी में सदस्य (प्रशासन) के रूप में काम कर रहे थे। उन्होंने 1986 बैच के आईआरएस अधिकारी नितिन गुप्ता की जगह ली। रवि अग्रवाल जून 2025 तक इस पद पर रहेंगे। उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति सितंबर 2024 में है, लेकिन उनकी नियुक्ति आदेश के अनुसार वे सेवानिवृत्ति के बाद अनुबंध आधार पर 30 जून 2025 तक सीबीडीटी के अध्यक्ष रहेंगे।

विक्रम मिस्री

देश के नए विदेश सचिव बनेंगे

केंद्र सरकार ने वर्ष 1989 बैच के भारतीय विदेश

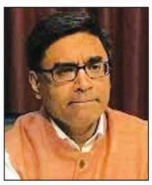

सेवा (आईएफएस) के अधिकारी विक्रम मिस्री को नया विदेश सचिव नियुक्त किया है। चीन मामलों के विशेषज्ञ विक्रम मिस्री विनय मोहन क्वात्रा की जगह लेंगे और 15 जुलाई को पदभार ग्रहण करेंगे। विदेश सचिव बनाए जाने से पहले मिस्री भारत के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। वह तीन प्रधानमंत्रियों के निजी सचिव के तौर पर काम कर चुके हैं। वह चीन, स्पेन और म्यांमार में भारत के राजदूत रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान, अमेरिका, बेल्जियम और श्रीलंका में कई भारतीय मिशनों में प्रमुख पदों पर काम किया है।

जापान ने

नए एच-3 रॉकेट से निगरानी उपग्रह किया लॉन्च

जापान ने अपने नए एच-3 रॉकेट से एक उन्नत

पृथ्वी निगरानी उपग्रह लॉन्च किया है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी ने बताया कि एच-3 रॉकेट से आपदा प्रतिक्रिया और सुरक्षा के लिए एक उपग्रह को अंतरिक्ष में तैनात किया गया है। इस रॉकेट ने दक्षिण पश्चिमी जापान के एक द्वीप पर स्थित तानेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी और लगभग 16 मिनट बाद अपना पेलोड (उपग्रह) रिलीज किया। इस उन्नत भूमि निरीक्षण उपग्रह को आपदा प्रतिक्रिया तथा मानचित्रण के लिए पृथ्वी की निगरानी करने और डाटा संग्रहण का काम सौंपा गया है।

सीएम शेट्टी

भारतीय स्टेट बैंक के नए अध्यक्ष होंगे

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों

के लिए निदेशक चुनने वाली संस्था फाइनेंशियल सर्विसेज इंस्टीट्यूट ब्यूरो (एफएसआईबी) ने सीएम शेट्टी को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का नया अध्यक्ष चुना है। शेट्टी वर्तमान में एसबीआई के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात हैं। उनके पास अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सेवाओं का प्रभार है। वह एसबीआई के निवृतमान अध्यक्ष दिनेश कुमार खारा की जगह लेंगे, जो 28 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एसबीआई में अध्यक्ष की नियुक्ति मौजूदा प्रबंध निदेशकों में से की जाती है। एफएसआईबी अब केंद्रीय मंत्रीमंडल की नियुक्ति समिति को नए अध्यक्ष के नाम की सिफारिश करेगा।

आदित्य एल-1

सूर्य के हेलो ऑर्बिट का लगाया पहला चक्कर

भारत के पहले सौर मिशन आदित्य एल-1 ने नया

कीर्तिमान स्थापित किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि इस वर्ष जनवरी में सूर्य और पृथ्वी के बीच स्थित लैंग्रेज-1 (एल-1) पांइट पर पहुंचने के बाद आदित्य एल-1 ने हेलो आर्बिट की पहली परिक्रमा पूरी कर ली है। आदित्य एल-1 ने यह परिक्रमा 178 दिन में पूरी की। इसरो ने कहा कि आदित्य एल-1 को कक्षा में स्थिर रखने के लिए कुछ बदलाव किए गए हैं। ताकि यान दूसरी हेलो आर्बिट में बिना किसी रुकावट के मूवमेंट कर सके। उल्लेखनीय है कि लैंग्रेज-1 पाइंट पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर एक काल्पनिक बिंदु है। इस बिंदु से पृथ्वी और सूर्य का गुरूत्वाकर्षण बल एक समान हो जाता है।

उर्सुला वॉन डेर लेयेन

दूसरी बार बनीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष

यूरोपीय संघ ने जर्मनी की उर्सुला वॉन डेर लेयेन को

यूरोपीय संघ के कार्यकारी निकाय यूरोपीय आयोग का दोबारा अध्यक्ष नियुक्त किया है। यूरोपीय संघ ने अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल अगले 5 वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। उर्सुला जुलाई 2019 में पहली बार यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष बनीं थी। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में कोविड -19 नियंत्रण और टीकाकरण के क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है। इसके अलावा उर्सुला ने वर्ष 2050 तक जलवायु तटस्थ बनने की यूरोपीय संघ की योजनाओं को मूर्त रूप दिया है।

डेविड वॉर्नर ने

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनिंग बल्लेबाज डेविड

वॉर्नर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप से ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के बाद वॉर्नर ने कहा कि यह मेरा आखिरी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट था। हालांकि वॉर्नर आईपीएल सहित वैश्विक ट्वेंटी-20 लीग में खेलते रहेंगे। जनवरी 2009 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले वॉर्नर ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच भारत के खिलाफ खेला, इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की हार के साथ ही वॉर्नर का सफर समाप्त हो गया है। वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट, 161 वन-डे और 110 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं।

राजिंदर खन्ना

देश के नए अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बने

केंद्र सरकार ने भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व

प्रमुख राजिंदर खन्ना को देश का नया अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया है। इससे पहले वह उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके अलावा दो नए उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भी नियुक्ति की गई है। आईपीएस अधिकारी और इंटेलिजेंस ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर टीवी रविचंद्रन और विदेश मंत्रालय के सचिव पवन कपूर यह जिम्मेदारी संभालेंगे। यह तीनों अधिकारी अजीत डोभाल की टीम में काम करेंगे। डोभाल विगत दिनों तीसरी बार देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किए गए।

वायुसेना ने

स्थापित किया देश का पहला हथियार प्रणाली स्कूल

भारतीय वायुसेना ने हैदराबाद में देश का पहला

हथियार प्रणाली स्कूल स्थापित किया है। हैदराबाद के बेगमपेट एयर फोर्स स्टेशन में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी ने इसका उद्घाटन किया। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। वायु सेना को भविष्य में आधुनिक बल के रूप में बदलने के उद्देश्य में यह नया प्रशिक्षण संस्थान अहम भूमिका निभायेगा। हथियार प्रणाली स्कूल में वायु सेना में भर्ती होने वाले अधिकारियों को जमीन से हवा, हवा से हवा और साइबर स्पेस तक में हथियारों के संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मनिका जैन

रोमानिया में भारत की राजदूत नियुक्त

विदेश मंत्रालय ने भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस)

की अधिकारी मनिका जैन को रोमानिया में भारत की नई राजदूत नियुक्त किया है। वर्ष 1993 बैच की अधिकारी मोनिका जैन वर्तमान में विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। वह विदेश मंत्रालय में कई अहम पदों और कई देशों में भारत के दूतावासों में कार्य कर चुकी हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह जल्द ही रोमानिया में अपना कार्यभार ग्रहण करेंगी।

डॉ. पल्लवी तिवारी

अमेरिका में मिला प्रतिष्ठित पुरस्कार

अमेरिका में भारतीय मूल की वैज्ञानिक डॉ. पल्लवी

तिवारी को प्रतिष्ठित इमेजिंग इंफॉर्मेटिक्स इनोवेटर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार कैंसर रिसर्च के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए दिया गया है। डॉ. पल्लवी अमेरिका में विस्कॉन्सिन मेडिसन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत हैं। वह पिछले वर्ष अमेरिका में नेशनल एकेडमी ऑफ इन्वेस्टर्स द्वारा विश्व की 95 शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में शामिल थीं।

स्मृति शेष

मध्यप्रदेश के पूर्व क्रिकेटर विजय नायडू का निधन

मध्यप्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके

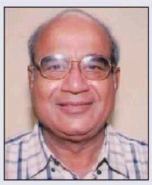

पूर्व क्रिकेटर विजय नायडू का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। विजय भारत के पहले टेस्ट कप्तान कर्नल सीके नायडू के पोते थे। मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के सचिव संजीव राय ने बताया कि विजय नायडू ने वर्ष 1968 से 1971 तक रणजी ट्रॉफी में मध्यप्रदेश की टीम की कप्तानी की है। उन्होंने वर्ष 1960 से 1978 के बीच मध्यप्रदेश के लिए 47 प्रथम श्रेणी और 3 लिस्ट 'ए' मैच खेले हैं। विजय नायडू क्रिकेट प्रशासक भी रहे हैं। वह मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष और क्रिकेट विकास समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं।

पूर्व विदेश सचिव मुचकुंद दुबे का निधन

भारत के पूर्व राजनयिक मुचकुंद दुबे का नई

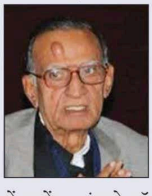

दिल्ली में निधन हो गया है। 90 वर्षीय मुचकुंद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रसित थे और लंबे समय से बीमार थे। वर्ष 1933 में बिहार में जन्में मुचकुंद ने ऑक्सफोर्ड और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की थी। इसके बाद वह भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त हुए। वह वर्ष 1990 से 1991 तक देश के विदेश सचिव रहे हैं। उन्हें नि:शस्त्रीकरण का विशेषज्ञ माना जाता है। सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने आठ वर्ष तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में बतौर प्रोफेसर अपनी सेवाएं दी हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

जॉब अलर्ट

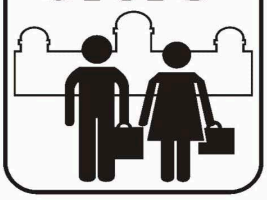

सैनिक स्कूल कोडागु

पद का नाम - टीजीटी अंग्रेजी, टीजीटी हिन्दी, काउंसलर, आर्ट मास्टर, बैंड मास्टर, क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर, स्कूल मेडिकल ऑफिसर, नर्सिंग सिस्टर, हॉस्टल वार्डन (सभी पद अनुबंध आधार पर)
पदों की संख्या - 12
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.sainikschoolkodagu.edu.in/

प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - सहायक अधिकारी (क्रय), सहायक अधिकारी (लेखा)
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.ipr.res.in/documents/jobs_career.html

सीमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - अधिकारी (विपणन) (अनुबंध आधार पर)
पदों की संख्या - 05
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.cciltd.in/

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

पद का नाम - मुख्य महाप्रबंधक (विधि), महाप्रबंधक (वित्त), महाप्रबंधक (भूमि अर्जन एवं संपदा प्रबंधन), हिन्दी अनुवादक, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक
पदों की संख्या - 05
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://nhai.gov.in/#/

कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय

पद का नाम - सहायक प्रोफेसर (सहयोगी अध्येता के समकक्ष)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://aerc.du.ac.in/

श्री श्री अनिरुद्धदेवा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी

पद का नाम - परीक्षा नियंत्रक, वित्त एवं लेखा अधिकारी
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.sasu.ac.in/

केआईओसीएल लिमिटेड

पद का नाम - कंपनी सचिव
पदों की संख्या - 01
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी विषय में पूर्णकालिक डिग्री के साथ भारतीय कंपनी सचिव संस्थान से कंपनी सचिव योग्यता एवं आईसीएसआई का एक सहयोगी/अध्येता सदस्य।
अंतिम तिथि - 25 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://kioclltd.in/

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

पद का नाम - डिप्टी मैनेजर (मार्केटिंग - फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन)
पदों की संख्या - 04
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से MBA/PGDM या समकक्ष, मार्केटिंग और फाइनेंस वालों को प्राथमिकता। कम से कम 5 साल का अनुभव।
अंतिम तिथि - 24 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://sbi.co.in/

जिला सामान्य शाखा समाहरणालय, अरवल (बिहार)

पद का नाम - चौकीदार
पदों की संख्या - 223
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं/मैट्रिक या समकक्ष
अंतिम तिथि - 20 जुलाई 2024
आवेदन पत्र भेजने का पता- जिला नियोजन पदाधिकारी, अरवल, जिला नियोजनालय कार्यालय, अरवल, प्रखंड परिसर, अरवल, पिन कोड - 804401

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) (गेट-2024 के माध्यम से)
पदों की संख्या - 249
योग्यता - केमिकल, सिविल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन, मैकेनिकल, मेटलर्जिकल के आठ इंजीनियरिंग विषयों में से किसी में 65 प्रतिशत अंकों के साथ इंजीनियरिंग में डिग्री।
अंतिम तिथि - 25 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.sail.co.in/hi

छत्तीसगढ़ नगर सेना

पद का नाम - नगर सैनिक
पदों की संख्या - 2215
योग्यता - सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 10वीं कक्षा पास होना जरूरी है। अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 8वीं पास होना आवश्यक।
अंतिम तिथि - 10 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://firenoc.cg.gov.in/

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

पद का नाम - डिप्टी जनरल मैनेजर (रिस्क मैनेजमेंट), असिस्टेंट जनरल मैनेजर (रिस्क मैनेजमेंट), चीफ मैनेजर (पोर्टफोलियो एनालिसिस), चीफ मैनेजर (मार्केट रिस्क), सीनियर मैनेजर (रिस्क एनालिटिक्स और रिस्क मैनेजमेंट), मैनेजर (रिस्क मैनेजमेंट), चीफ मैनेजर (फॉरेक्स), सीनियर मैनेजर (फॉरेक्स), मैनेजर (फॉरेक्स), असिस्टेंट जनरल मैनेजर (इंटरप्राइस आर्किटेक्चर), असिस्टेंट जनरल मैनेजर (डाटा आर्किटेक्चर), चीफ मैनेजर (प्रोजेक्ट/प्रोग्राम), चीफ मैनेजर (लीड बिजनिस एनालिस्ट), चीफ मैनेजर (इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी), चीफ मैनेजर (इन्फॉर्मेशन सिस्टम ऑडिट), मैनेजर (एपीआई मैनेजमेंट), मैनेजर (डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर), मैनेजर (आईटी सिक्योरिटी), मैनेजर (क्वालिटी एश्योरेंस), मैनेजर (डाटा एनालिटिक्स), मैनेजर (जावा डेवलपर) आदि पद।
पदों की संख्या - 195
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://bankofmaharashtra.in/

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

मध्यप्रदेश में प्रकृति संवर्धन का अभियान 'एक पेड़ मां के नाम'

मध्यप्रदेश विकास के कई क्षेत्रों में अग्रणी है। प्रदेश में समय-समय पर कई नवाचार हुए हैं, इन नवचारों का अनुसरण अन्य राज्यों ने भी किया है। प्रदेश की प्रगति और संवर्धन की इसी कड़ी में प्रदेश ने प्रकृति के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण का वृहद अभियान आरम्भ किया है। यह आरम्भ प्रकृति के पंच तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश के संवर्धन के लिए है। इन्हीं पंच तत्वों से सभी जीवों का निर्माण हुआ है। जीवन के लिए, जीवन की समृद्धि और स्वास्थ्य के लिए पंच तत्वों का यथेष्ठ होना आवश्यक है। इसके लिए रखकर इसे सतत् चलाने का निश्चय किया। भारतीय चिंतन में धरती और प्रकृति दोनों को मातृतुल्य माना गया है। प्रधानमंत्री जी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर नई दिल्ली में पौधारोपण करते हुए धरती, प्रकृति और अपनी जन्मदात्री माता को समरूप मानकर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने वर्ष 2025 तक पूरे भारत में 140 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

क्या है एक पेड़ मां के नाम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाकर ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान की शुरुआत की। इस दिन प्रधानमंत्री ने देश-दुनिया से अपील की कि सभी लोग अपनी मां के साथ मिलकर अथवा अपनी मां की स्मृति में एक पेड़ जरूर लगाएं। इस प्रेरक आग्रह को आम जनता ने स्वीकारा और लोग इससे जुड़ने लगे। इस अभियान के आरंभ होने के साथ लोग सोशल मीडिया पर अपनी मां के साथ या फिर उनकी फोटो के साथ पेड़ लगाने की तस्वीर को साझा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर मां के साथ पौधरोपण की तस्वीरें #Plant 4 Mother और # एक पेड़ मां के नाम के साथ साझा की जाने वाली यह तस्वीरें समाज को प्रेरित कर रही हैं।

प्रधानमंत्री जी के संकल्प को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने वृक्षारोपण का नया इतिहास रचने का अभियान शुरू किया है। इसके अंतर्गत प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाये जायेंगे।

आधारभूत तत्व हैं धरती का हरा-भरा होना। यदि पृथ्वी हरी-भरी रहेगी तो प्रकृति संपुष्ट और संवर्धित होगी।

वर्तमान में पर्यावरणीय संकट है। ग्लोबल वार्मिंग से तापमान बढ़ रहा है। पर्यावरण की तमाम समस्याओं से पूरा विश्व परेशान है। पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। भूमि की उर्वरक क्षमता समाप्त हो रही है। जमीन बंजर हो रही है। नदियां सूख रही हैं। धरती का जल स्तर नीचे जा रहा है। कहीं सूखा तो कहीं अतिवर्षा और बाढ़ का प्रकोप है। पर्यावरण के असंतुलन से मानवीय जीवन पर संकट है। प्रदूषण से प्रतिरोधक क्षमता घट रही है और नित नए रोग सामने आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाने के साथ दुनियाभर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है।

कैसे हुई एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर होने वाले वृक्षारोपण अभियान को एक दिवस तक सीमित न रखकर इसे सतत् चलाने का निश्चय किया। भारतीय चिंतन में धरती और प्रकृति दोनों को मातृतुल्य माना गया है। प्रधानमंत्री जी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर नई दिल्ली में पौधारोपण करते हुए धरती, प्रकृति और अपनी जन्मदात्री माता को समरूप मानकर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने वर्ष 2025 तक पूरे भारत में 140 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रदेश में कब शुरू हुआ एक पेड़ मां के नाम अभियान

प्रदेश में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की शुरुआत 6 जुलाई से की गयी। 6 जुलाई को भारत के एकत्व और राष्ट्र की संस्कृति की रक्षा के लिए बलिदान होने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती अवसर था। चिंतक, विचारक, जनसंघ के संस्थापक होने के साथ डॉ. मुखर्जी ने सामाजिक समरसता और प्रकृति के संरक्षण का भी अभियान छोड़ा था। उन्होंने अंग्रेजी राज में अपने हितों के लिए अंग्रेजों द्वारा की जा रही अंधाधुंध वृक्षों की कटाई का विरोध किया था। आज पूरी दुनिया जिस पर्यावरण की समस्या से जूझ रही है, इस संकट को श्यामा प्रसाद जी मुखर्जी ने लगभग 80 वर्ष पहले भांप लिया था और वनों की कटाई को लेकर सरकार और समाज दोनों को सचेत किया था। इसलिए मध्यप्रदेश सरकार ने एक दिन में पूरे प्रदेश में 51 लाख पौधे रोपने का संकल्प लिया है। इस कार्य में छात्रों, युवाओं, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, विशेषकर जन अभियान परिषद, गायत्री परिवार, रामकृष्ण मिशन जैसी-संस्थाओं को शामिल किया गया है। यह वृक्षारोपण विशेषकर पुरातात्विक महत्व के स्थानों, संग्रहालयों, जलाशयों, नदियों के तट, पहाड़ों की तलहटी आदि में किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। पौधों में विशेषकर पीपल, वट, नीम, आंवला, बेल, सागौन आदि के पौधे लगाने की प्राथमिकता है। यह वृक्ष प्रकृति और मनुष्य जीवन दोनों के लिए बहुत उपयोगी है।

क्या लक्ष्य है 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का

6 जुलाई से एक पखवाड़े तक के निर्धारित लक्ष्य में भोपाल जिले में 24 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसके आरंभ दिवस पर भोपाल जिले में 12 लाख पौधे रोपे गये। प्रदेश के महानगर और औद्योगिक राजधानी इंदौर में 51 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य है। इस अभियान में मध्यप्रदेश में 5.50 करोड़ पौधे रोपे जायेंगे।

यह अपनी मां के स्मरण और सम्मान का अवसर तो है ही साथ ही इससे पर्यावरण संरक्षण को लेकर चेतना निर्मित हुई है। प्रदेश, गांव, कस्बे और शहर में लोग उत्साहित हैं। धरती को हरा-भरा करने का यह आनंद अपने आप में अनूठा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान भारतीय मूल संस्कृति, प्रकृति संग सह-अस्तित्व के साथ जीने की परंपरा को पुनर्जीवित करने का माध्यम साबित हो सकता है। पौधरोपण का यह अभियान पर्यावरण की विखण्डित होती कड़ी को पुन: जोड़ने में भी उपयोगी साबित होगा। प्रदेश एक बार पुन: प्रकृति संरक्षण नवाचार की ओर कदम बढ़ा रहा है। इससे पहले भी वर्ष 2017 में मध्यप्रदेश एक दिन में सबसे अधिक पौधरोपण करने का रिकॉर्ड बना चुका है। उम्मीद है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह प्रयास प्रकृति संरक्षण संवर्धन के लिये महत्वपूर्ण साबित हो। निश्चित ही प्रदेश के मुखिया का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन की मिसाल कायम करेगा।

हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

हमारा जिला- खण्डवा

निमाड़ की वैभवशाली संस्कृति और परंपराओं का केन्द्र है खण्डवा

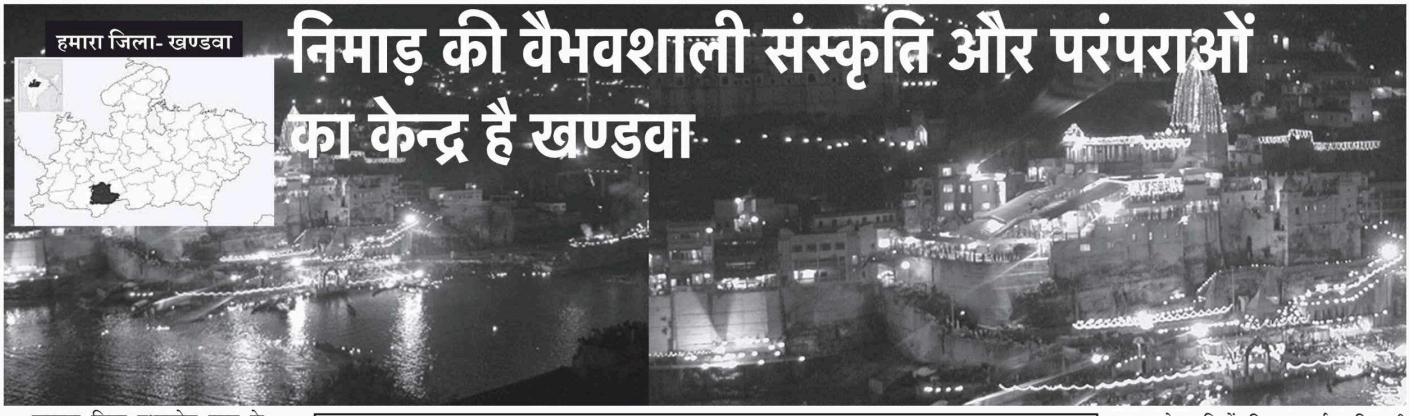

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। रोज़गार और निर्माण के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है खण्डवा जिले का परिचय -

खण्डवा जिला मध्यप्रदेश राज्य के दक्षिण पश्चिम में स्थित है। यह जिला मध्यप्रदेश के इंदौर संभाग में शामिल है। यह पूर्व में होशंगाबाद संभाग के बैतूल और हरदा, दक्षिण में इंदौर संभाग के बुरहानपुर, पश्चिम में इंदौर संभाग के पश्चिम निमाड़ और उत्तर में इंदौर संभाग के देवास से घिरा हुआ है।

खण्डवा जिले में पांच तहसीलें, खण्डवा, पंधाना, हरसूद, पुनासा और खालवा हैं। तहसीलों को राजस्व निरीक्षक के हलकों और राजस्व प्रशासन के लिए पटवारी हलकों में उप-विभाजित किया गया है। हरसूद अनुभाग का मुख्यालय और तहसील मुख्यालय को इंदिरा सागर परियोजना के तहत विस्थापन के कारण न्यू-हरसूद (छनेरा) में स्थानांतरित कर दिया गया है।

राज्यों के पुनर्गठन से पहले, अर्थात एक नवंबर, 1956 तक, जिले को आधिकारिक तौर पर निमाड़ जिले के रूप में जाना जाता था, यह तत्कालीन मध्यप्रदेश के महाकौशल क्षेत्र का हिस्सा था। पुराने निमाड़ का पश्चिमी भाग जो मूल रूप से होल्कर के पास था, 1948 में मध्य भारत राज्य के गठन के समय उसका हिस्सा बन गया था। 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के समय मध्य भारत क्षेत्र से मध्यप्रदेश का निर्माण हुआ और पश्चिमी भाग (पुराना निमाड़) मध्यप्रदेश का एक हिस्सा बन गया। बाद में निमाड़ का पश्चिम भाग जो महाकौशल क्षेत्र का एक हिस्सा था पश्चिम निमाड़ के रूप में अलग हुआ जिसका मुख्यालय खरगोन था। 1 नवंबर, 1956 से निमाड़ (पूर्व) या पूर्वी निमाड़ के रूप में जिला आस्तित्व में आया। पूर्व निमाड़ 15 अगस्त, 2003 को खण्डवा और बुरहानपुर जिलों में विभाजित किया गया।

जलवायु

खण्डवा जिला देश के सूखे हिस्से में पड़ता है। जिले में औसत वार्षिक वर्षा लगभग 808 मिली मीटर है। जिले के उत्तरी भाग में दक्षिणी भाग की तुलना में अधिक वर्षा होती है। मानसून हर साल 10 जून तक शुरू होता है और अक्टूबर के शुरू तक रहता है। दिन काफी उमस भरे होते हैं। जिले में ज्यादातर लोग खेती करते हैं, प्रति परिवार औसत खेत का आकार कम है। कृषि को पारंपरिक रूप से अपनाते हुए, अधिकांश किसान केवल आजीविका के लिए कार्य कर रहे हैं। कृषि श्रम कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा है।

तीर्थ केंद्र

खण्डवा में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग (ओंकारेश्वर मांधाता) प्रसिद्ध तीर्थस्थल है। पूरे वर्ष, देश-दुनिया से यहां तीर्थयात्री यात्रा

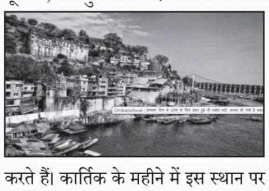

करते हैं। कार्तिक के महीने में इस स्थान पर एक मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में तीर्थयात्री शामिल होते हैं। जिले में लगभग 40 मेले लगते हैं। इन मेलों में पिपलिया में सिंगाजी महाराज का मेला, मलगांव में दाता-साहेब का मेला, छनेरा में बाबा बुखारदास का मेला, सिवना में ब्रह्मगीर महाराज का मेला, रुस्तमपुर में महाशिवरात्रि का मेला, बोरगांव में बागेश्वरी देवी का मेला, पुनासा में काजल देवी का मेला, श्रीरामजी के नाम पर जामनिया में, हनुमानजी के नाम पर बड़झिरी में, नर्मदा जयंती पर ओंकारेश्वर और नर्मदा नदी के किनारों के गांवों में उत्सव इत्यादि शामिल है। मुस्लिम समुदाय का गुराड़िया में उर्स, रहीमपुरा में ख्वाजा साहेब का उर्स, पोखरकला में नवगज पीर का उर्स इत्यादि प्रमुख हैं।

प्राचीन इतिहास

नर्मदा तथा सहायक नदियों के किनारों में हुए अन्वेषणों से पता चलता है कि पुरापाषाण काल में भी यहां पर मानव प्रजाति अस्तित्व में थी। कहा जाता है कि खण्डवा के उत्तर-पश्चिम में लगभग 70 किलोमीटर की दूरी पर नर्मदा नदी के तट पर स्थित द्वीप ओंकार मांधाता को यदु के एक वंशज हैहय राजा महिषमंत ने जीत लिया था, उसी ने महिष्मती नाम दिया था।

बौद्ध धर्म के उदय के दौरान, पूर्वी निमाड़ क्षेत्र को चंड प्रद्योत द्वारा अवंती साम्राज्य में शामिल किया गया था, बाद में मगध के बढ़ते साम्राज्य में शिशुनाग द्वारा शामिल कर लिया गया।

दूसरी शताब्दी के आरंभ से ई.पू. 15 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, निमाड़ क्षेत्र (पूर्व में खानदेश का एक हिस्सा) कई राजवंशों के शासकों द्वारा शासित रहा था, जिसमें मौर्य, शुंग, प्रारंभिक सातवाहन, कर्दमदास, अभिरस, वाकाटक, शाही गुप्त, कलचुरि, वर्धन, चालुक्य, राष्ट्रकूट, परमार, फारुकी राजवंश आदि प्रमुख थे।

16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के प्रारंभ तक, निमाड़ क्षेत्र (पूर्वी निमाड़ सहित), औरंगजेब, बहादुर शाह (मुगलों), पेशवा, सिंधिया, होलकर और पवार (मराठों) आदि के अधीन था। 18वीं शताब्दी के मध्य भाग से, निमाड़ क्षेत्र का प्रबंधन अंग्रेजों के अधीन आ गया।

ब्रिटिश शासन के विरुद्ध देशव्यापी 1857 के महान युद्ध से पूर्वी निमाड़ जिला अप्रभावित नहीं रहा। 1857 क्रांति के समय तात्या टोपे ने मध्य भारत अभियान के तहत निमाड़ क्षेत्र के खण्डवा में क्रांति की ज्वाला प्रज्जवलित की, बाद में वे खरगोन के रास्ते आगे बढ़े।

18वीं शताब्दी के अंत से 15 अगस्त, 1947 तक भारत की स्वतंत्रता के लिए चलने वाले स्वतंत्रता आंदोलनों यथा- असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन आदि में निमाड़ सक्रिय रहा।

उत्पादन

खण्डवा गेहूं उत्पादन में अग्रणी है। चना एवं सोयाबीन जिले की प्रमुख फसलें हैं। यहां प्याज की पैदावार भी बड़ी मात्रा में होती है।

ओंकारेश्वर मांधाता

ओंकारेश्वर मांधाता नर्मदा नदी के मध्य द्वीप पर स्थित है। दक्षिणी तट पर ममलेश्वर (प्राचीन नाम अमरेश्वर) मंदिर स्थित है।

ओंकारेश्वर में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ ही ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग भी है। इन दोनों शिवलिंगों को एक ही ज्योतिर्लिंग माना जाता है। यह खण्डवा से 75 किलोमीटर इंदौर-खण्डवा हाईवे पर स्थित है। ओंकार ममलेश्वर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और जैन संप्रदाय के सिद्धवरकूट भी यहां पर स्थित हैं। देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं। अद्वैत के प्रणेता आदिगुरु शंकराचार्य जी के गुरु गोविन्द जी की गुफा, सिद्धनाथ के भव्य मंदिर के भग्नावशेष, गौरी सोमनाथ का मंदिर, ऋणमुक्तेश्वर मंदिर यहाँ स्थित हैं। द्वीप के प्रणवाक्षर "ॐ" के आकार के कारण ही इस स्थान का नाम ओंकारेश्वर है।

जैन धर्म का तीर्थ सिद्धवरकूट के पास जैन धर्म के कई प्राचीन मंदिर हैं इनमें से कुछ का नवीनीकरण किया गया है। यहां की चित्रावलियों से प्रतीत होता है कि यह लगभग 1488 ई. के आसपास की हैं। चित्रों में प्रमुखत: तीर्थंकर भगवान श्री शांतिनाथ जी का वर्णन है।

हनुवंतिया

हनुवंतिया द्वीप मध्यप्रदेश पर्यटन में एक उभरता जल पर्यटन स्थल है। यह पश्चिमी मध्यप्रदेश में खण्डवा शहर के पास ही है। यह मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा विकसित और संचालित है। यह नाम 'हनुवंतिया' स्थानीय गाँव के नाम पर ही है। जो खण्डवा जिले की पुनासा तहसील में स्थित है। हनुवंतिया में बोट-क्लब, आवास सुविधा, सड़क संपर्क व्यवस्था है।

इंदिरा सागर परियोजना

इंदिरा सागर बांध मध्यप्रदेश में एक बहुउद्देशीय बांध परियोजना है। यह नर्मदा

नदी पर बनाया गया है। परियोजना की आधारशिला वर्ष 1984 में रखी गई थी लेकिन कई वर्षों बाद मुख्य बांध का निर्माण वर्ष 1992 में शुरू हुआ तथा वर्ष 2003 में पूरा हुआ। इसका जलाशय भारत के सबसे बड़े जलाशयों में गिना जाता है, जिसकी क्षमता 12.22 बिलियन घन मीटर है।

पर्यटन

इंदिरा सागर बांध का बैकवाटर एक विशाल झील है, जिसमें पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए हनुवंतिया का विकास किया गया है। यहां बैकवाटर पर आवास, रेस्तरां, नौका विहार, क्रूज की सवारी की सुविधा उपलब्ध है। बांध के आसपास का क्षेत्र प्राकृतिक पर्यटन के लिए अच्छा है जिसमें बर्डवॉचिंग प्रमुख हैं।

उत्सव

सिंगाजी मेला, पिपलिया

निमाड़ के प्रसिद्ध संत सिंगाजी की स्मृति में शरद पूर्णिमा से सिंगाजी मेला आयोजित किया जाता है। इस पूरे आयोजन के दौरान करीब ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु सिंगाजी महाराज की समाधि पर मत्था टेकने आते हैं। मेले में निमाड़ की संस्कृति और परंपरा को देखा जा सकता है। यह मेला दुनिया भर में अपनी पहचान बना चुका है।

सिंगाजी समाधि पर मुख्य रूप से घी, नारियल, चिरोंजी का प्रसाद चढ़ाया जा रहा है। जिन भक्तों की मन्नत पूरी होती है, वे यहां भंडारा भी करते हैं। संत सिंगाजी को निमाड़ का कबीर कहा जाता है। निमाड़ में उनके जन्म स्थान तथा समाधि स्थल पर उनके पदचिह्नों की पूजा-अर्चना की जाती है। सिंगाजी महाराज का समाधि स्थल इंदिरासागर परियोजना के डूब क्षेत्र में आने की वजह से इस मंदिर को 50-60 फीट के परकोटे से सुरक्षित किया गया है।

कार्तिक मेला ओंकारेश्वर

प्रबोधिनी एकादशी अथवा देव उठनी ग्यारस कार्तिक के हिंदू महीने के उज्ज्वल पखवाड़े (शुक्ल पक्ष) में 11 वां चंद्र दिवस (एकादशी) है। इस दिन से पूर्णिमा (उसी महीने की पूर्णिमा) को कार्तिक मेला के नाम से ओंकारेश्वर में एक उत्सव का आयोजन किया जाता है। पंचकोशी यात्रा भी इसी अवधि में शुरू होती है।

गुरु पूर्णिमा
(श्री दादा दरबार, खण्डवा)

हमारी संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा स्थान दिया गया है। यहाँ आषाढ़ मास

की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। खण्डवा में स्वामी केशवानंद जी महाराज बड़े दादा जी के नाम से ख्यात हैं और स्वामी हरिहरानंद जी महाराज (छोटे दादाजी महाराज) की समाधि स्थान पर खण्डवा में गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। महाराष्ट्र और आसपास के स्थानों से श्रद्धालुगण ध्वज लेकर पैदल चलकर आते हैं और दरबार में दर्शन पाते हैं। दो दिवस के इस उत्सव में लाखों की संख्या में लोग शामिल होते हैं।

प्रमुख स्थल

खण्डवा नगर - खण्डवा शहर को जिले का मुख्यालय होने का गौरव प्राप्त है। भारत के नक्शे पर इसकी लगभग मध्य में स्थिति के कारण अतीत में (ब्रिटिश काल में), यह उत्तरी, पूर्वी, दक्षिणी और पश्चिमी रेल मार्गों को जोड़ने वाला स्थान था दिल्ली (उत्तर),

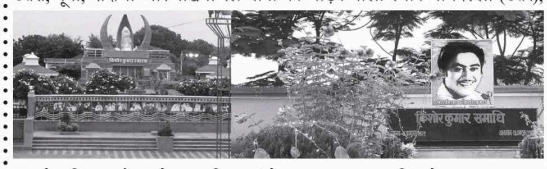

मुम्बई (दक्षिण) और वड़ोदरा (पश्चिम) सीधे जुड़ा हुआ था जबकि कोलकाता भुसावल जंक्शन के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक और कई महान विभूतियों ने अपनी भारतयात्रा के समय यहां का दौरा किया था। भौगोलिक स्थिति, संसाधनों की आसान उपलब्धता और अन्य सामाजिक-आर्थिक कारक इस जगह को अच्छा औद्योगिक क्षेत्र बना सकते हैं। इस स्थान में कई प्राचीन कुंड, वास्तुकला और धार्मिक स्थान हैं।

यह मुंबई-दिल्ली केंद्रीय लाइन और बुरहानपुर के उत्तर में स्थित है। यह 1864 से जिला मुख्यालय रहा है। यहां चार ऐतिहासिक कुंड हैं, जिनमें सूरज कुंड, पद्म कुंड, भीम कुंड, रामेश्वर कुंड शामिल हैं। कलेक्टर कार्यालय, गर्ल्स डिग्री कॉलेज, घंटाघर की इमारतें प्राचीन स्मारकों में से हैं। दादा धूनी वाले की समाधि, तुलजा भवानी मंदिर, नव-चंडी देवी धाम आस्था और पूजा स्थल हैं। पार्श्वगायक किशोर कुमार की जन्म भूमि और समाधि भी खण्डवा में ही है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक सम-सामयिकविषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

ओलिंपिक में एथेलेटिक्स टीम का नेतृत्व करेंगे नीरज

नई दिल्ली, भारतीय एथेलेटिक्स महासंघ ने आगामी पेरिस ओलिंपिक के लिए 28 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा कर दी है। भारत दल का नेतृत्व टोक्यो ओलिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा करेंगे। भारतीय दल में 17 पुरुष और 11 महिला खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारतीय दल में नीरज के अलावा अविनाश साबले, किशोर जेना, तेजिंदर पाल सिंह तूर, प्रवीण चित्रावले, अब्दुल्ला अबुबकर, सर्वेश कुशारे, अक्षदीप सिंह, विकास सिंह, परमजीत बिष्ट, मोहम्मद अनस, मोहम्मद अफजल, अमोज जैकब, संतोष तमिलारासन, राजेश रमेश, मिजो चाको कुरियन, सूरज पवार, किरण पहल, पारुल चौधरी, ज्योति याराजी, अन्नु रानी, आभा खटुआ, ज्योतिका, सुभा वेंकटेशन, विथ्या रामराज, पूवम्मा एमआर, प्राची और प्रियंका गोस्वामी शामिल हैं।

बीसीसीआई ने की घोषणा

गौतम गंभीर बने नए मुख्य कोच

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच नियुक्त किए गए हैं।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर गौतम गंभीर को टीम इंडिया का मुख्य कोच बनाये जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नाइक की क्रिकेट सलाहकार समिति ने सर्वसम्मति से गौतम गंभीर को मुख्य कोच बनाने की सिफारिश की। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे, जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप जीता था। इस विश्वकप के साथ ही बतौर मुख्य कोच द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया है।

भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में गंभीर का पहला दौरा श्रीलंका का होगा। यह दौरा 26 जुलाई से शुरू होगा, इस दौरे पर टीम इंडिया तीन ट्वेंटी-20 और इतने ही वन-डे मैच खेलेगी।

आक्रामक खेल के लिए पहचाने जाने वाले गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। गंभीर ने अप्रैल 2003 में बांग्लादेश के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग के साथ मिलकर भारतीय टीम को कई बार शानदार शुरुआत दिलाई है। उन्होंने भारत के लिए 58 टेस्ट मैचों में 9 शतक और 22 अर्धशतकों के साथ 4154 रन, 147 वन-डे मैचों में 11 शतकों और 34 अर्धशतकों के साथ 5238 रन तथा 37 ट्वेंटी-20 मैचों में 932 रन बनाये हैं। इसके अलावा गंभीर के पास टीम इंडिया की कप्तानी करने का भी अनुभव है।

- **गंभीर वर्ष 2007 में आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप और वर्ष 2011 में आईसीसी वन-डे विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं।**
- **इन दोनों विश्वकप के फाइनल में गंभीर भारत के टॉप स्कोरर थे।**
- **मुख्य कोच के रूप में गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक होगा।**

गौतम गंभीर एक कड़े प्रतिस्पर्धी और शानदार रणनीतिकार हैं। हमें विश्वास है कि वह मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका में भी वही दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता लायेंगे। भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए उनका विजन हमारे लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा। हम आगे की यात्रा को लेकर उत्साहित हैं।

- जय शाह, सचिव, बीसीसीआई

विनेश ने स्पेन ग्रांप्री में जीता स्वर्ण पदक

मैड्रिड, भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने स्पेन में आयोजित स्पेन ग्रांप्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। प्रतियोगिता में विनेश ने महिलाओं की 50 किलोग्राम भारवर्ग में यह पदक जीता। विनेश ने पहले राउंड में क्यूबा की गुजमान को 12-4 से हराया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टरफाइनल में कनाडा की मेडिसिन पार्क्स और सेमीफाइनल में कैटी डुचाक को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल राउंड में विनेश ने रूस की मारिया तिमुमेरकोवा को 10-5 से हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

कारूआना ने जीता क्लासिक शतरंज खिताब

बुखारेस्ट, अमेरिका के शतरंज खिलाड़ी फैबियानो कारूआना ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज खिताब जीत लिया है। कारूआना ने टाई ब्रेकर में तीनों रैपिड मुकाबले जीतकर खिताब जीता। इससे पहले फाइनल राउंड में कारूआना को नीदरलैंड्स के अनीश गिरी से हार का सामना करना पड़ा, वहीं डी. गुकेश और आर. प्रगानंदा ने अपने-अपने मैच ड्रॉ खेले। इसके कारण गुकेश, प्रगानंदा, अली रेजा फिरोजा और कारूआना 5-5 पाइंट के साथ पहले स्थान पर आ गए और इन सभी खिलाड़ियों के बीच टाई ब्रेकर के तौर पर रैपिड राउंड खेला गया।

जसप्रीत बुमराह चुने गए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में भारत की ऐतिहासिक जीत के हीरो जसप्रीत बुमराह को आईसीसी ने जून माह के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना है। वहीं महिला वर्ग में भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी प्लेयर ऑफ मंथ का पुरस्कार हासिल किया है।

आईसीसी ने पुरुष वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए जसप्रीत बुमराह के अलावा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के ओपनिंग बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को नामांकित किया था। आईसीसी ने कहा कि बुमराह की डेथ ओवरों में गेंदबाजी बेहद किफायती रही। विश्वकप में फाइनल में भी उन्होंने मैच में भारत की वापसी कराई और खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में स्मृति मंधाना ने शानदार प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार हासिल किया। मंधाना ने पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वन-डे सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने पहले वन-डे मैच में 117 रनों की पारी खेली, वहीं दूसरे मैच में 136 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी।

- **यह पहला अवसर है जब भारत को पुरुष और महिला दोनों वर्गों में यह पुरस्कार मिला है।**
- **आईसीसी प्लेयर ऑफ द ईयर बनने वाले सातवें भारतीय पुरुष क्रिकेटर हैं बुमराह।**
- **बुमराह ट्वेंटी-20 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे।**

दिनेश कार्तिक बने आरसीबी के बल्लेबाजी कोच

बेंगलुरू, आईपीएल की फ्रैंचाइजी रॉयल चैलेंजर बेंगलुरू ने भारत के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक को टीम का नया बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर बनाया है। आरसीबी ने सोशल मीडिया इसकी घोषणा करते हुए कहा कि कार्तिक का आरसीबी में स्वागत है। वहीं कार्तिक ने कहा कि पेशेवर स्तर पर कोचिंग को लेकर उत्साहित हूं। उम्मीद है कि खिलाड़ी के तौर पर मेरा अनुभव काम आएगा।

सिंगापुर को मिली शतरंज चैम्पियनशिप की मेजबानी

बेंगलुरू, सिंगापुर इस वर्ष फिडे विश्व शतरंज चैम्पियनशिप के मुकाबले की मेजबानी करेगा। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने सिंगापुर को मेजबानी सौंपने का ऐलान किया। यह मुकाबला भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश और चीन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिरेन के बीच 20 नवंबर और 15 दिसम्बर को खेला जाएगा। फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्सकी ने बताया कि चैम्पियनशिप के फाइनल की मेजबानी की रेस में सिंगापुर के अलावा चेन्नई और दिल्ली भी थे।

वन-डे और टेस्ट प्रारूप में रोहित रहेंगे टीम इंडिया के कप्तान

मुंबई, आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम का नेतृत्व करने वाले रोहित वन-डे और टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की कप्तानी संभालते रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा कि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि उनकी कप्तानी में देश अगले वर्ष आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी और आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब जीतेगा।

उल्लेखनीय है कि ट्वेंटी-20 विश्वकप जीतने के बाद विराट कोहली के साथ रोहित शर्मा ने भी ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, इसके बाद से ही वन-डे प्रारूप में रोहित की कप्तानी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। बीसीसीआई के स्पष्टीकरण के बाद यह तय हो गया है कि वन-डे और टेस्ट में रोहित ही कप्तानी करेंगे।

एशियाई चैम्पियनशिप में अभय ने जीते दो स्वर्ण पदक

जोहोर, भारत के अनुभवी स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने मलेशिया में आयोजित एशियाई डबल्स स्क्वैश चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते हैं। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय ने पुरुष युगल वर्ग में वेलावन सेंथिल कुमार के साथ मिलकर खिताब जीता। इस स्पर्धा के फाइनल में अभय और सेंथिल की जोड़ी ने मलेशिया के ओंग साई हंग और सियाफिक कमाल को 11-4, 11-5 से हराया। इसके बाद अभय ने जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल वर्ग का खिताब जीता। इस भारतीय जोड़ी ने फाइनल में हांगकांग की टोंग त्सज विंग और तांग मिंग होंग को 11-8, 10-11, 11-5 से हराया।

महिला एशिया कप

भारतीय महिला टीम की घोषणा

चेन्नई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस महीने श्रीलंका में खेले जाने वाले एसीसी महिला एशिया कप टूर्नामेंट के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 सदस्यीय टीम की अगुआई हरमनप्रीत कौर करेंगी, वहीं ओपनिंग बल्लेबाज स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। बीसीसीआई ने मुख्य टीम के अलावा चार खिलाड़ियों को रिजर्व भी रखा है। ये चारों खिलाड़ी टीम के साथ ही रहेंगी।

एशिया कप में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन टीमों को 4-4 टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड को जगह मिली है। टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपना पहला मैच 19 जुलाई को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। भारतीय टीम 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल के खिलाफ मैच खेलेगी। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दांबुला में खेले जाएंगे।

- **इस वर्ष महिला एशिया कप का आयोजन श्रीलंका में होगा।**
- **महिला एशिया कप का आयोजन 19 जुलाई से 28 जुलाई तक किया जाएगा।**
- **यह महिला एशिया कप का नौवां आयोजन है।**
- **भारत ने 8 में से 7 बार जीता है महिला एशिया कप का खिताब।**
- **वर्ष 2018 में बांग्लादेश ने जीता था महिला एशिया कप।**

भारतीय टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्ज, ऋचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजीवन सजना।

रिजर्व खिलाड़ी - श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह।

ब्रिटिश ग्रांप्री

हैमिल्टन ने नौवीं बार जीती रेस

सिल्वरस्टोन, ब्रिटेन के दिग्गज कार रेसर लुईस हैमिल्टन ने अपने घरेलू सर्किट पर अपना वर्चस्व बरकरार रखते हुए ब्रिटिश ग्रांप्री रेस जीत ली है। हैमिल्टन ने रिकॉर्ड नौवीं बार यह रेस जीती है।

स्पेनिश ग्रांप्री के विजेता जॉर्ज रसेल ने ब्रिटिश ग्रांप्री रेस में पोल पोजिशन के साथ शुरुआत की। रेस में रसेल अपनी पोजिशन बरकरार नहीं रख पाये और हैमिल्टन रेस में सबसे आगे निकल गए। हैमिल्टन ने रेस में अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी और खिताब जीता। हैमिल्टन ने 52 लैप की इस रेस को एक घंटा 22 मिनट 27.059 सेकेंड में पूरा किया। रेस में मैक्स वर्स्टापेन दूसरे, लैंडो नॉरिस तीसरे, ऑस्कर पिएस्त्री चौथे और कार्लोस सेंज पांचवें स्थान पर रहे। इस जीत के साथ हैमिल्टन ड्राइवर्स चैम्पियनशिप में 110 अंकों के साथ आठवें स्थान पर आ गए हैं।

- **मौजूदा सत्र में लुईस हैमिल्टन की यह पहली जीत है।**
- **इससे पहले हैमिल्टन ने वर्ष 2021 में जीती थी यह रेस।**
- **हैमिल्टन ने सात बार जीती है फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप।**
- **हैमिल्टन के अलावा माइकल शुमाकर भी सात बार बने हैं चैम्पियन।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

• ब्रिटेन में चुनाव •

लेबर पार्टी को मिला बहुमत स्टार्मर बने प्रधानमंत्री

ब्रिटेन के आम चुनावों में लेबर पार्टी ने प्रचंड जीत के साथ 14 साल बाद सत्ता में वापसी की है। किएर स्टार्मर के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरी मुख्य विपक्षी पार्टी लेबर पार्टी को 641 में से 410 सीटों पर जीत मिली है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी 119 सीटें ही जीत सकी है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए आम चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने लेबर पार्टी के नेता किएर स्टार्मर को जीत की बधाई भी दी। ब्रिटेन की संसद हाउस ऑफ कॉमंस की 650 सीटों के लिए हुए चुनाव में बहुमत के लिए 326 सीटों की आवश्यकता होती है। लेबर पार्टी की जीत और कंजर्वेटिव पार्टी की बड़ी हार के साथ ही चर्चा छोटी पार्टी रिफॉर्म यूके और इसके नेता निगेल फराज की भी हो रही है। निगेल फराज हाउस ऑफ कॉमंस पहुंचने के लिए सात बार चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन हर बार उनको हार का सामना करना पड़ा। 60 साल के निगेल फराज अपनी आठवीं कोशिश में जीत हासिल कर हाउस ऑफ कॉमंस पहुंचने में सफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिवसीय रूस दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण पक्षों पर की चर्चा

भारत को परिवर्तनकारी सफलता 140 करोड़ भारतीयों के समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान से मिली है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 8-9 जुलाई 2024 को मॉस्को में रूस और भारत के बीच आयोजित 22वें वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की। बैठक में दोनों देशों के प्रमुखों ने द्विपक्षीय व्यावहारिक सहयोग और रूस-भारत विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के विकास के वर्तमान मुद्दों पर विचारों का गहन आदान-प्रदान किया और पारस्परिक सम्मान और समानता के सिद्धांतों का दृढ़ता से पालन करने पर सहमति दी। इसके अलावा बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई जो निम्नानुसार हैं -

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मॉस्को में आयोजित कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया

इन विषयों पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके द्विपक्षीय निपटान प्रणाली का विकास। आपसी निपटान में डिजिटल वित्तीय साधनों का निरंतर समावेश। उत्तर-दक्षिण अंतर्राष्ट्रीय परिवहन गलियारे, उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्टक समुद्री लाइन के नए मार्गों के शुभारंभ के जरिए भारत के साथ कार्गो कारोबार में वृद्धि। माल की बाधा रहित आवाजाही के लिए कुशल डिजिटल प्रणालियों के अनुप्रयोग के जरिए सीमा शुल्क प्रक्रियाओं का अधिकतम उपयोग। कृषि उत्पादों, खाद्य और उर्वरकों के क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा में वृद्धि। परमाणु ऊर्जा, तेल शोधन और पेट्रोकेमिकल सहित प्रमुख ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग तथा ऊर्जा संबंधी बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकियों एवं उपकरणों के क्षेत्र में सहयोग तथा साझेदारी का विस्तारित रूप में विकास। बुनियादी ढांचे के विकास, परिवहन इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल उत्पादन एवं जहाज निर्माण, अंतरिक्ष तथा अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में बातचीत को ठोस रूप देना। डिजिटल अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं अनुसंधान, शैक्षिक आदान-प्रदान के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश एवं संयुक्त परियोजनाओं और उच्च तकनीक वाली कंपनियों के कर्मचारियों के लिए इंटर्नशिप को बढ़ावा देना। दवाओं और उन्नत चिकित्सा उपकरणों के विकास एवं आपूर्ति में व्यवस्थित सहयोग को बढ़ावा देना। मानवीय सहयोग का विकास, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संस्कृति, पर्यटन, खेल, स्वास्थ्य संबंधी देखभाल और अन्य क्षेत्रों में बातचीत का निरंतर विस्तार सहित अन्य विभिन्न मुद्दों को चिन्हित कर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का अध्ययन करने के निर्देश दिये गए।

प्रधानमंत्री ने रूस में भारतीय समुदाय को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के मॉस्को में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। प्रवासी भारतीयों ने उनका स्नेह के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों को धन्यवाद दिया और भारत-रूस संबंधों को बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना की। 140 करोड़ भारतवासियों की ओर से प्रवासी भारतीयों का अभिवादन करते हुए उन्होंने कहा कि उनके साथ बातचीत विशेष थी, क्योंकि यह उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल में भारतीय प्रवासियों को उनका पहला संबोधन था। प्रधानमंत्री ने पिछले दस वर्षों में भारत में हुए प्रत्यक्ष परिवर्तन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह सभी भारतीयों के लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में सरकार का उद्देश्य विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। उन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि के बारे में बात की, जो वैश्विक विकास का महत्वपूर्ण प्रतिशत है इसकी डिजिटल और फिनटेक सफलता, इसकी हरित विकास उपलब्धियां और इसके प्रभावशाली सामाजिक-आर्थिक कार्यक्रम, जो आम लोगों को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की परिवर्तनकारी सफलता 140 करोड़ भारतीयों के समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान के कारण हुई है, जिनमें से प्रत्येक भारतीय, देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने का स्वप्न देखता है।

सरकार घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ाने और सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं

सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के सहयोग से गुणवत्ता सुधार पर वर्चुअली आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार को रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरमाने ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रक्षा उत्पादन में और सुधार करने और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग क्यूए 4.0 को लागू करके ईकोसिस्टम को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की आवश्यकता और इस दृष्टिकोण को साकार करने में सभी हितधारकों, विशेष रूप से घरेलू रक्षा उद्योग की

महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। सेमिनार में 250 से अधिक रक्षा उद्योगों के प्रतिनिधियों, एसआईडीएम, फिक्की, एसोचैम पीएचडी सीसीआई, सेवा मुख्यालय, डीपीएसयू के सीएमडी, सरकारी क्यूए एजेंसियों, स्टार्ट-अप और रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने भाग लिया।

विश्व की सबसे आधुनिक तकनीक से

जांच करके ही ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स पर भारत ब्रांड की मोहर लगती है - गृहमंत्री श्री शाह

गुजरात के गांधीनगर में 102वें अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने संबोधित किया। इस अवसर पर श्री अमित शाह ने कहा कि आज अगर बंगाल और कश्मीर भारत का हिस्सा हैं, तो इसका एकमात्र कारण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हैं। डॉ. मुखर्जी ने ही एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे के आंदोलन का नेतृत्व किया और इसके लिए लड़ते-लड़ते अपना बलिदान दिया। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से दो विधान, दो प्रधान और दो निशान समाप्त हो गए हैं और वहां तिरंगा बड़ी शान से लहरा रहा है। श्री शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों, कार्यकर्ताओं के लिए कई प्रकार से एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन प्रधानमंत्री ने एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी अलग सहकारिता मंत्रालय की आवश्यकता महसूस नहीं की। गुजरात की धरती से आने वाले श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद के समय में सहकारिता की ज़रूरत को समझकर वर्ष 2021 में एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की।

ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स पर भारत ब्रांड की मोहर

श्री अमित शाह ने कहा कि गुजरात सरकार ने बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नैनो-यूरिया और नैनो-डीएपी पर 50 प्रतिशत की सब्सिडी देने की की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि खेत में नैनो-यूरिया और नैनो-डीएपी का छिड़काव ज्यादा उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने इन्हें सस्ता किया है और किसानों को इनका उपयोग करना चाहिए। जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने और जैविक खेती करने वाले किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड की स्थापना की है।

अमेरिका में भारत दिवस की परेड में पहली बार दिखेगी राम मंदिर की झलक

न्यूयॉर्क में भारत दिवस के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में लोगों को एक खास झांकी देखने को मिलेगी। इस झांकी में राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। इसमें शहर और उसके आसपास से हजारों भारतीय-अमेरिकी शामिल होंगे। प्रवासी भारतीयों की अग्रणी संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन एनवाई-एनजे-सीटी-एनई (एफआईए) ने भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी दी कि 18 अगस्त को होने वाली 42वीं वार्षिक भारत दिवस परेड में विशेष राम मंदिर की झांकी का प्रदर्शन किया

जाएगा। एफआईए ने बताया कि प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता पंकज त्रिपाठी परेड में मुख्य अतिथि होंगे। यह परेड न्यूयॉर्क शहर के लोकप्रिय मैडिसन एवेन्यू से होकर गुजरेगी और इसमें हजारों भारतीय प्रवासी शामिल होंगे।

भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने कहा कि वाणिज्य दूतावास परेड का समर्थन करेगा और न्यूयॉर्क तथा अमेरिका में भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन करेगा। एफआईए के अध्यक्ष डॉ. अविनाश गुप्ता ने बताया कि इस बार परेड की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' है। उन्होंने कहा कि इस साल परेड में 18 फुट लंबी, नौ फुट चौड़ी और आठ फुट ऊंची राम मंदिर की भव्य प्रतिकृति शामिल होगी। यह पहली बार होगा जब राम मंदिर की प्रतिकृति अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी। यह कदम भारतीय समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा।

सईद जलीली को चुनाव में हराकर मसूद पेजेशकियान बने ईरान के नये राष्ट्रपति

ईरान में हुए राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम जारी हो गये हैं। रिफॉर्मिस्ट मसूद पेजेशकियान को ईरान का नया राष्ट्रपति चुना गया है। उन्होंने कट्टरपंथी माने जाने वाले उम्मीदवार सईद जलीली को हराया। चुनाव में सुधारवादी नेता पेजेशकियान को 16.3 मिलियन वोट मिले हैं, जबकि हार्डलाइनर उम्मीदवार सईद जलीली को 13.5 मिलियन वोट मिले। पेजेशकियान पेशे से एक हार्ट सर्जन हैं और लंबे समय से सांसद रहे हैं। मसूद पेजेशकियान के कार्यकाल के दौरान ईरान वर्ष 2015 के न्यूक्लियर डील को फाइनल कर सकता है जिसकी वजह से देश पर कई प्रतिबंध लगे

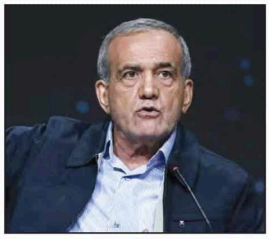

हैं। उनके कार्यकाल में ईरान में सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर कुछ बदलाव देखा जा सकता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- संदीप यादव, मुद्रक- संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।